सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

विराट कोहली ने रचा इतिहासः एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने -पेजः 7

लोग या कहेंगेइकी कहानी में भावनाओं और यादों का चित्रणः गिरिजा ओक -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 232 | सोमवार 01 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

अंधी रफ्तार से दौड़ रही बीएमडब्ल्यू ने फुटपाथ पर सो रहे 3 लोगों को कुचल डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमीरों के लिए गरीब आदमी कीड़े मकोड़े की तरह होता है साहबज्जब मर्जी कोई रहीस आदमी अपनी करोड़ों की कार से आता है और फुटपाथ पर सो रहे गरीबों कों रौंदता चला जाता है। ये शब्द उन चश्मदीदों के हैं जिन्होंने बीती रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में बीती रात तेज रफ्तार का कहर देखा है। एंबियंस मॉल के सामने एक बीएमडब्ल्यू कार ने फुटपाथ पर सो रहे तीन लोगों को कुचल दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक को मौके से ही हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार यह हादसा देर रात करीब 2 बजे वसंत कुंज इलाके में हुआ। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि कार बेहद तेज रफ्तार से आ रही थी। कार चला रहे शख्स ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे फुटपाथ पर चढ़ा दी। कार की चपेट में आने से फुटपाथ पर सो रहे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार के चालक को तुरंत मौके पर ही हिरासत में ले लिया। उससे आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार हिमाचल प्रदेश नंबर पर पंजीकृत है। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसा किस गति से हुआ और क्या चालक शराब या किसी अन्य नशे के प्रभाव में था।

अचानक दो हिस्सों में बंट गई ट्रेन, झटका लगते ही यात्रियों में मची हलचल

-बिहार में कारीसाथ स्टेशन के पास कपलिंग टूटी, बड़ा हादसा होने से बचा

आरा (एजेंसी)। पटना-आरा-डीडीयू रेल खंड पर शनिवार शाम रेल दुर्घटना होने से बाल-बाल बची, जब दानापुर से बेंगलुरु जा रही बेंगलुरु सिटी स्पेशल ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। घटना कारीसाथ रेलवे स्टेशन के पास हुई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। तेज रफ्तार दौड़ रही ट्रेन के दो हिस्सों में बंटते ही यात्री दहशत में आ गए। इंजन और आगे के कुछ डिब्बे काफी दूर निकल गए, जबकि पीछे का बड़ा हिस्सा ट्रैक पर ही रुक गया। मीडिया रिपोर्ट में रेल सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ट्रेन आरा स्टेशन से खुलकर बक्सर की ओर तेज रफ्तार में बढ़ रही थी। इसी दौरान कारीसाथ स्टेशन के पास ट्रेन की कपलिंग अचानक टूट गई। कपलिंग टूटने के साथ ही एक झटके में ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इंजन का हिस्सा आगे की और करीब 500 मीटर तक चला गया। हालांकि झटका लगने से तुरंत लोको पायलट को कुछ असहज लगा और उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। अपलाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई, जिसके कारण पटना—डीडीयू रूट पर कई ट्रेनें प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने कपलिंग टूटने की वजह की जांच शुरू कर दी और बचाव एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर किया गया। काफी प्रयास के बाद इंजन को पीछे लाकर दूसरे हिस्से से जोड़ा गया। रेलवे सूत्रों का कहना है कि समय रहते ट्रेन रुक जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। यदि ट्रेन और तेज गति में होती तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अप लाइन पर परिचालन बहाल कर दिया गया। इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांचों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीआईएसएफ जवान ने नाबालिग की गोली मारकर की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में एक सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल ने नाबालिग लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके पास से पिस्टल भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि 29 नवंबर को एक शख्स से जानकारी मिली कि कम्युनिटी सेंटर डीडीए मार्केट, एमएस पार्क के पास एक बच्चे को गोली मार दी गई है। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। क्राइम टीम को बुलाया गया। जांच में पता चला कि मृतक 17 साल का नाबालिग है, जो न्यू मॉडर्न शाहदरा का रहने वाला था। नाबालिग लड़के को कम्युनिटी सेंटर के सामने हो रही शादी के दौरान गोली लगी थी। इस मामले में आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है, जो सीआईएसएफ में हेड कांस्टेबल है और अभी कानपुर में तैनात है। उसके पास से एक पिस्टल भी बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि लड़के और आरोपी के बीच कहासुनी हुई थी, जिसके बाद आरोपी ने उसे गोली मार दी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कट्टरपंथियों की खतरनाक साजिश को बेनकाब करेंगी 12 पीड़ित युवतियां

-दिल्ली में लव जिहाद की शिकार लड़कियां डिटेल में बयां करेंगी अपनी कहानियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत समेत कई देश कट्टरपंथ की साजिश का शिकार हैं। डेमोग्राफिक्स को बदलने की साजिशें रची जा रही है। चिंता की बात यह है कि इस मामले में डॉक्टर और इंजीनियर जैसे बहुत पढ़े-लिखे लोग भी इस साजिश में शामिल हैं। इसका उदाहरण लाल किले के पास हुआ आतंकवादी हमला है। इन सबको देखते हुए देश में पहली बार ऐसा इवेंट हो रहा है जैसा पहले कभी नहीं हुआ। आज कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लव जिहाद की शिकार लड़कियां अपनी कहानियां डिटेल में बताएंगी और इसके तरीकों का खुलासा करेंगी। इस खास इवेंट में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और विश्व हिंदू परिषद के स्टेट प्रेसिडेंट कपिल खन्ना खास तौर पर शामिल होंगे। उनके साथ लव जिहाद की शिकार लड़कियों को बचाने वाले लोग भी होंगे। विहिप दिल्ली के मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि 12 लड़कियां, खासकर केरल की, जो लव जिहाद की शिकार हुई हैं, अपनी कहानियां बताएंगी, ताकि हर कोई इस साजिश के बारे में जान सके और समय रहते अपनी बेटियों को बचा सके। दिल्ली एनसीआर की चार और पीड़ित भी इस इवेंट में मौजूद रहेंगी। केरल भारत में लव जिहाद का सेंटर है, जहां हजारों लड़कियों को बहला-फुसलाकर इस्लाम कबूल करवाया गया है और फिर उन्हें इस्लामिक देशों में ट्रैफिकिंग के लिए भेज दिया गया।

छत्तीसगढ में 80 प्रतिशत नक्सलवाद खत्म, जल्द ही पूरी तरह खत्म होगा : उपमुख्यमंत्री शर्मा

प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में और केंद्रीय गृह मंत्री शाह के सहयोग और साफ रणनीति तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन से बस्तर में नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है।

छत्तीसगढ़ः छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य में लगभग 80 प्रतिशत नक्सलवाद खत्म हो गया है, जबकि शेष 20 प्रतिशत राज्य के पश्चिमी और दक्षिणी इलाकों के कुछ इलाकों तक ही सीमित है। शर्मा ने कहा कि इस खतरे को तय समय में पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ के गृह विभाग का प्रभार संभाल रहे उपमुख्यमंत्री ने आज यहां संवाददाताओं से कहा, छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद 80 प्रतिशत तक खत्म हो गया है, और सिर्फ 20 प्रतिशत बचा है। यह अबूझमाड़ के पश्चिमी इलाकों, सुकमा और बीजापुर जिलों के दक्षिणी इलाकों के कुछ इलाकों में अभी भी है। उन्होंने कहा, आज, बस्तर के लोग आखिरकार बिना किसी डर के खुली हवा में सांस ले सकते हैं। शर्मा ने भरोसा जताया, हालात जल्द ही इतने ठीक हो जाएंगे कि कोई भी शाम को इंद्रावती नदी (जो बस्तर इलाके से होकर बहती है) के किनारे बैठकर एक कप चाय का मजा ले सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को यकीन है कि बस्तर का जल, जंगल, जमीन बस्तर के लोगों, खासकर इसके युवाओं का है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, बस्तर से एक मजबूत आवाज उठ रही है कि बस्तर के युवा खुद इस इलाके का भविष्य तय करेंगे। वे कहते हैं, हम अपने बस्तर का ख्याल रखेंगे। यह गर्व और बहुत खुशी की बात है। बस्तर ओलंपिक्स और बस्तर पंडुम में दिखे जोश के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध युवा इस इलाके की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। शर्मा ने कहा कि पंचायतों और ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने से जुड़े सभी कानूनी नियम जल्द ही लागू किए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने तीन बड़े सुरक्षा हॉटस्पॉट - नक्सलवाद, नार्थ-ईस्ट और जम्मू-कश्मीर का स्थायी समाधान दिया है, शर्मा ने कहा, मैंने सुना है कि पहली बार केंद्रीय गृह मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद, उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि मंत्रालय में नक्सलवाद, नॉर्थ-ईस्ट और जम्मू-कश्मीर के लिए अलग-अलग सेल खत्म कर देने चाहिए, क्योंकि देश के हर हिस्से को एक जैसी तरक्की करनी चाहिए। आप आज नतीजे देख सकते हैं, जम्मू-कश्मीर उस स्थिति पर पहुंच गया है। नॉर्थ-ईस्ट में विद्रोह लगभग खत्म हो गया है, और नक्सलवाद भी खत्म होने की कगार पर है। उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही साफ कर चुकी है कि जो कोई भी आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटना चाहता है, उसका स्वागत है और सरकार उनके पुनर्वास की पूरी जिम्मेदारी लेगी। इस बीच, नक्सलवाद को खत्म करने के लिए अभियान और सभी जरूरी कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेंगे।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले विधानसभा चुनाव से पहले (नक्सलियों से हिंसा छोड़ने की) अपील की थी। प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में और केंद्रीय गृह मंत्री शाह के सहयोग और साफ रणनीति तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन से बस्तर में नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। उन्होंने कहा, जो लोग आत्मसमर्पण नहीं करना चाहते और हथियार उठाना जारी रखते हैं, उन्हें हमारे सुरक्षाबलों से सही जवाब मिलेगा।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोग चिंतित, कुछ तो गड़बड़ है

-पहले भी हुआ है एसआईआर, सचिन पायलट ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाया कि फील्ड स्टाफ पर अनावश्यक दबाव और जल्दबाजी में समयसीमा तय करने से पता चलता है कि प्रक्रिया में कुछ तो गड़बड़ है।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर देश में पहले भी कई बार हुआ है। लेकिन कोई चर्चा नहीं होती थी, लोगों के मन में कोई आशंका नहीं रहती थी। पहली बार निर्वाचन आयोग का जो रवैया रहा है। उससे लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में लोगों के नाम काटे गए। कई राज्यों में लोग तनाव में हैं, और कुछ तो इस दबाव के कारण आत्महत्या भी कर रहे हैं। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

सचिन पायलट ने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष संस्था के रूप में काम करना चाहिए क्योंकि मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम निर्वाचन आयोग का है, किसी राजनीतिक दल का नहीं। पायलट ने कहा कि कांग्रेस देश भर में अभियान चला रही है ताकि यह तय किया जा सके कि कोई भी नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। उन्होंने कहा कि हम यह तय करना चाहते हैं कि गरीब लोग, दलित, आदिवासी और बुजुर्ग जागरुकता की कमी के कारण या किसी के द्वारा उनका नाम हटाने की मंशा के कारण मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित न हों।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्षता से काम करना चाहिए और यदि विचारधारा, सरकार और नेता के दबाव में काम करोगे तो यह जनता और कांग्रेस पार्टी को स्वीकार नहीं होगा।

राहत सामग्री लेकर कोलंबों पहुंचे भारतीय विमान, फंसे हुए भारतीयों को वापस भी लाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने जमकर तबाही मचाई। इसमें करीब 150 लोगों की जान चली गई। कुछ भारतीय भी यहां फंस हुए है। केंद्र की मोदी सरकार ने तत्काल ऑपरेशन सागर बंधु की शुरुआत की और मदद की लिए हाथ बढ़ाया। वायुसेना के मुताबिक दिल्ली के निकट हिंडन एयर बेस से सी-130 और आईएल-76 विमान राहत सामग्री लेकर श्रीलंका के लिए रवाना हुए हैं। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री, 80 से अधिक एनडीआरएफ कर्मी और 8 टन उपकरण हैं। रविवार सुबह को दी गई जानकारी में वायुसेना ने बताया कि राहत सामग्री लेकर निकले इन विमानों ने कोलंबो में लैंड किया है। भारतीय वायुसेना के विमानों के जरिए न केवल राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, बल्कि एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम श्रीलंका में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने की कोशिशों में लगी हुई है। इसके अलावा तमिलनाडु में भी राहत और बचाव की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

वायुसेना के अनुसार श्रीलंका में मदद के लिए भेजी गई सामग्री में आवश्यक राशन, दवाइयां, मेडिकल किट, भिष्म क्यूब्स और अन्य आपदा राहत उपकरण शामिल हैं। वहीं, 17 ग्लोबमास्टर ने पुणे से चेन्नई तक एक और एनडीआरएफ टीम तथा भारी उपकरण पहुंचाए हैं। यह अभियान इसलिए शुरू किया गया है ताकि दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्रों में भी राहत प्रयासों को तेज किया जा सके।

30 नवंबर की सुबह हिंडन एयरबेस से एक सी-130 विमान राहत सामग्री लेकर रवाना हुआ। वहीं आईएल-76 विमान पहले ही कोलंबो पहुंच चुका था। यह दल विमान से राहत सामग्री उतारने के साथ-साथ फंसे हुए भारतीय नागरिकों को वापस लाने का काम भी करेगा। अतिरिक्त सहायता के तौर पर एक और सी-17 विमान वडोदरा में एनडीआरएफ टीम और उनके उपकरणों के साथ लोड किया जा रहा है, जिसे चेन्नई भेजा जाएगा। सभी एयरलिफ्ट मिशन लगातार संचालित हैं ताकि श्रीलंका एवं तमिलनाडु दोनों स्थानों पर समयबद्ध सहायता सुनिश्चित की जा सके। यह मानवीय सहायता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय वायुसेना ने स्पष्ट किया है कि वह जीवन बचाने और संकटग्रस्त पड़ोसी देशों को हर संभव समय पर सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑपरेशन सागर बंधु, भारत व श्रीलंका की मैत्री और क्षेत्रीय सहयोग का संवेदनशील और मानवीय उदाहरण बनकर सामने आया है।

भारतीय वायुसेना के विमान यहां आवश्यक उपकरण एवं राहतकर्मियों को लेकर पहुंचे हैं। भारत ने 'पड़ोसी प्रथम' की भावना को दोहराते हुए आपदा में लोगों को राहत पहुंचाने की पहल की है। भारतीय वायुसेना के विमान व हेलीकॉप्टर बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाने और आपदा राहत अभियान में जुटे हुए हैं। इस पूरे अभियान को ऑपरेशन सागर बंधु नाम दिया गया है।ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल बचाव अभियान को अंजाम देने वाले दल की तैनाती और राहत सामग्री की आपूर्ति की जा रही है। भारतीय वायुसेना ने राहत कार्यों की गति तेज करने के लिए कोलंबो में एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। इससे तेजी से प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जा सकेगी। इसी के साथ, बड़े पैमाने पर भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए वायुसेना के सी-17, सी-130 और आईएल-76 परिवहन विमान तैयार रखे गए हैं। वायुसेना की ओर से साझा जानकारी के अनुसार 29 नवंबर की रात सी-130 और आईएल-76 विमान हिंडन एयर बेस से रवाना हुए। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री व 80 से अधिक एनडीआरएफ के कर्मी मौजूद थे। इसके अलावा, बाढ़ व तूफान आदि के कारण जटिल इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए विशिष्ट उपकरण भेजे गए हैं।

राजनीति से संन्यास लेकर बोले अवध ओझा: अब जो मन में आएगा, वही बोलूंगा...

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और शिक्षक अवध ओझा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात्र एक पारी खेली और उसके तुरंत बाद राजनीति से संन्यास ले लिया। अब वे फिर से अपनी पुरानी आज़ादी में लौट आए हैं और इसे लेकर बेहद खुश नज़र आ रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने खुलकर बताया कि राजनीतिक दल में रहते हुए उन्हें जो 'बोलने की बंदिश' लगी थी, उससे मुक्ति मिलने का अहसास है कि अब वे बिना किसी दबाव के जो मन में आएगा, वही बोलेंगे।

अवध ओझा ने साफ कहा, भैया मैं राजनीति ही नहीं करूंगा। बहुत दूर रहूंगा, बहुत खुश हूं। पहली बात तो बोलना बंद हो गया था। पार्टी लाइन के बाहर कुछ नहीं बोल सकते। ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकतेज हम बोलेंगे नहीं तो मर जाएंगे। अब मैं इतना अच्छा महसूस कर रहा हूं। अब कोई फोन करके नहीं कहेगा कि ये बोलो, वो मत बोलो। अब तो बस वही बोलेंगे जो दिल कहेगा।

उन्होंने उस वायरल इंटरव्यू का भी ज़िक्र

किया जिसमें आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बीच में दखल देकर इंटरव्यू रुकवा दिया था। मजबूरन ओझा को कैमरे पर कहना पड़ा था कि पार्टी लाइन वही लोग तय करेंगे, मैं उसी के मुताबिक बोल सकता हूं। उस घटना को याद करते हुए ओझा ने हंसते हुए कहा, अच्छा बताओ वो इंटरव्यू कितना अच्छा चल रहा था। बीच में रोक दिया। भगवान बचाए राजनीति से दादा!

भाजपा में जाने की अटकलों पर भी उन्होंने पूरी तरह विराम लगा दिया। स्पष्ट शब्दों में बोले, 'न 'मैं कहीं टिकट नहीं मांगूंगा। राजनीति से पूरी तरह दूर रहूंगा। चुनावी खर्च के सवाल पर मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मेरा खुद का एक रुपया नहीं लगा। सारे दोस्तों, मित्रों और शुभचिंतकों ने दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की खाली हुई पटपड़गंज सीट से उन्होंने चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। हार के बाद से ही वे पार्टी के किसी कार्यक्रम में नज़र नहीं आए और धीरे-धीरे कोचिंग क्लासेस में वापस लौट गए। पिछले दिनों उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि महज़ चुनाव लड़ने की उत्कंठा और जिज्ञासा की वजह से वे राजनीति में आए थे, लेकिन एक बार मैदान में उतरने के बाद अहसास हुआ कि यह उनका क्षेत्र नहीं है।अब अवध ओझा फिर से अपनी कोचिंग और मोटिवेशनल स्पीच में पूरी तरह व्यस्त हो चुके हैं। उनके प्रशंसक भी उनकी इस वापसी से खुश हैं, क्योंकि एक बार फिर वही बेबाक, बिंदास और बिना किसी लाइन के बोलने वाला अवध ओझा लौट आया है।

आज के भारतीय तो अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानतेः मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मातृभाषाओं के उपयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। नागपुर में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर बोलते हुए भागवत ने कहा, कि आज बहुत से भारतीय अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते हैं और अंग्रेजी के मिश्रण से संवाद करते हैं। उनका कहना है कि इस प्रकार हमारी भाषायी विरासत का क्षय हो रहा है।

यहां भागवत ने कहा, एक समय था जब रोजमर्रा की भाषा में संस्कृत का प्रयोग आम था। अब हाल यह है कि अमेरिका के प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं। उन्होंने मातृभाषा के अभ्यास और ज्ञान पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को अपनी भाषा की समझ होनी चाहिए। भागवत ने उदाहरण देते हुए कहा कि संत ज्ञानेश्वर ने भगवद्गीता को मराठी में प्रचारित किया, जिससे भाषा और

संस्कृति की गहराई समझ में आती है। आरएसएस प्रमुख ने अंग्रेजी शब्दों की सीमा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भावनाओं और सांस्कृतिक अर्थों की गहराई को पकड़ नहीं पाती। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कल्पवृक्ष के लिए अंग्रेजी में कई शब्द हैं, लेकिन कोई भी इसका वास्तविक अर्थ नहीं बता सकता। उनका कहना है कि विदेशी भाषाएं हमारी संस्कृति की पूर्ण गहराई तक नहीं पहुंच सकतीं। इसी के साथ भागवत ने मातृभाषाओं को सीखने और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन विविधता में एकता की भावना को महत्व देता है, और इसी आधार पर भाषायी चेतना को बढ़ावा देना जरूरी है।

संपादकीय

कानून की परिभाषा अक्सर बदल जाती है

पुनरीक्षण याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 2-1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। नतीजतन, पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो-यह चलन जारी रहेगा। कानून यह है कि कोई किसी भी निर्माण परियोजना पर काम पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद ही होना चाहिए। मगर सरकार ने पहले 2017 में एक अधिसूचना और फिर 2021 में ऑफिस मेमॉरेंडम के माध्यम से प्रावधान कर दिया कि बिना पर्यावरण संबंधी हरी झंडी लिए जिन परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ चुका है, उन्हें बाद में ऐसी मंजूरी दी जा सकेगी। मुद्दा है कि कोई परियोजना जब पर्यावरण को क्षति पहुंचा चुकी हो, तो फिर उसे मंजूरी देने या ना देने की क्या अहमियत है? बहरहाल, सरकार ने ऐसा प्रावधान किया, तो उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। इस वर्ष मई में सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रावधान को रद्द कर दिया।

दो जजों की बेंच ने उचित निर्णय दिया कि ऐसा करना कानून और उसकी भावना के खिलाफ है। मगर चूंकि इस फैसले से बड़े-बड़े हित प्रभावित हो रहे थे, तो पुनरीक्षण याचिका पर कोर्ट ने तीन जजों की बेंच बनाई। अब उस बेंच ने 2-1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। यानी पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो-यह चलन जारी रहेगा। मई में फैसला देने वाली बेंच में शामिल रहे जज जस्टिस उज्जल भुइंया नई बेंच में भी थे। उन्होंने असहमत फैसला दिया। इसमें उचित ही उन्होंने दिल्ली में छाये स्मॉग का उदाहरण देते हुए देश में गहराते जा रहे पारिस्थितिकीय संकट का हवाला दिया।

उन्होंने इस दलील को ठुकरा दिया कि मई का फैसला लागू रहने पर अरबों रुपये का निर्माण तोडा होगा, इसलिए फैसले को उलट दिया जाए। लेकिन बाकी दो जजों ने 20 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति के दांव पर लगे होने का तर्क देते हुए निर्णय को पलट दिया। वैसे उनके सामने विकल्प यह भी था कि कानून के हुए उल्लंघन पर भारी जुर्माना लगाते, उल्लंघन होने देने के दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करते, और निर्णय देते कि आगे से ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी। संदेश साफ है, जब धनी-मानी लोगों के हित जुड़े हों, तो अक्सर कानून की परिभाषा बदल जाती है!

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सुरक्षा, जागरूकता और संवेदनशीलता ही है एड्स से बचाव की कुंजी

योगेश कुमार गोयल

गंभीर वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनता एचआईवी...

न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में लोगों के लिए 'एड्स' आज भी एक भयावह शब्द है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एच.आई.वी. संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। 'रॉयटर्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2023 के अंत तक 3.95 करोड़ लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'व्यवधान पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया में परिवर्तन लाना' विषय के साथ मनाया जा रहा है।

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी साकोर्मा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे 'गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी' (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है।

यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति 'एड्स' कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है।

डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में 40 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरूकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं। देशभर में ऐसे बहुत से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवार हैं, जिन्हें एचआईवी संक्रमण का खुलासा होने के बाद समाज और अपने ही लोग हिकारत भरी नजरों से देखते थे।

वास्तविकता यही है कि लोगों में एड्स के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं हो रहे, जिस स्तर पर होने चाहिएं। लोगों को जागरूक करने के लिए हमारी भूमिका अभी भी सिर्फ चंद पोस्टर चिपकाने और टीवी चैनलों या पत्र-पत्रिकाओं में कुछ विज्ञापन प्रसारित-प्रकाशित कराने तक ही सीमित है और शायद यही कारण है कि 21वीं सदी में जी रहे भारत के बहुत से पिछड़े ग्रामीण अंचलों में खासतौर से महिलाओं ने तो एचआईवी संक्रमण जैसे शब्द के बारे में कभी सुना तक नहीं। तमाम प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोग इसे छूआछूत की बीमारी ही मानते हैं और इसीलिए वे ऐसे रोगी के पास जाने से भी घबराते हैं। तमाम दावों के बावजूद आज भी समाज में एड्स रोगियों को बहुत सी जगहों पर तिरस्कृत नजरों से ही देखा जाता है। एड्स पर नियंत्रण पाने के लिए जरूरत है प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके। एड्स जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा करने से बचने की प्रवृत्ति तथा एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी व संवेदनहीनता की प्रवृत्ति अब हमें त्यागनी ही होगी। इसके अलावा प्रचार एवं प्रसार माध्यमों को भी इस दिशा में अहम भूमिका निभानी होगी। विश्व भर में एड्स की महामारी पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को सुरक्षित सैक्स एवं अन्य आवश्यक सावधानियों के लिए भी प्रेरित करना होगा।

युगों -युगों तक मानव को अमर कर देती है अच्छाई व सच्चाई

नरेन्द्र भारती

अच्छाई युगो-युगों तक मानव को अमर कर देती है।मानव को हमेशा अच्छाई व सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए।मानव जीवन अनमोल है।कहते है कि एक पत्थर सिर्फ एक बार मंदिर जाता है और भगवान बन जाता है इंसान हर रोज मंदिर जाते है फिर भी पत्थर ही रहते हैं ।आज ईमानदार लोगों की खिल्ली उडाई जाती है प्रत्येक इन्सान का एक स्वाभिमान होता है उसे बनाए रखना चाहिए भले ही कितनी ही विपति आ जाए अपना स्वाभिमान बरकरार रखना चाहिए मानव को अपने स्वाभिमान के आसू हर जगह नहीं बहाने चाहिए।आधुनिक इंसान पत्थर दिल व आत्मकेन्द्रित होता जा रहा है।मानव सवेंदनहीनता की हदें लाघ रहा है।यह समाज के लिए अशुभ संकेत है।मानव आज मानवता के खिलाफ होता जा रहा है।मानव नंगा आता है नंगा ही चला जाता है इस संसार में जो पैदा हुआ है उसे एक दिन इस नश्वर संसार को छोडना ही है आधुनिक युग में जीवन मूल्यों में गिरावट समाज में विष घोल कुंठा उत्पन्न कर रही है तनिक लाभ के लिए लोग अपना जमीर बेच रहे हैं। मानव को अपनी मयार्दा में रहना चाहिए।समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है।जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए ,खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी।जरुरतमंदो की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है।मगर आधुनिक इंसान फितरती होता जा रहा है। मानव विलासिता पर धन खर्च कर रहा है। सुख में तो सभी साथ होते है मगर दुख में साथ छोड देते है ,कहते अपने ही काम आते है मगर आज आदमी ही आदमी से नफरत कर रहा है कुते बिस्किट खा रहे है मगर मानव भूख से त्रस्त है क्या मजाल की कोई भूखे को रोटी का निवाला दे। आदमी नरभक्षी बनता जा रहा है प्रतिदिन शराब,मांस ,मदिरा का प्रयोग कर रहा है। आदमी आज गिरगिटों की तरह रंग बदलता है। आज मानव मतलब निकल जाने पर पहचानने से इन्कार कर देता है। आज मानव ने भले ही कितनी प्रगति कर ली है मगर सोच वही सामंतवादी है। आदमी को सादगी व उच्च विचारों मे विश्वास रखना चाहिए। अतः प्रत्येक इन्सान की जितनी सहायता हो सके करनी चाहिए। आदमी को कभी भी किसी का निरादर नहीं करना चाहिए ,प्रत्येक मानव का आदर -सत्कार करना चाहिए। जीवन बार-बार नहीं मिलता है,ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है। यह एक शाश्वत सत्य है और बेईमानों का सत्यनाश हुआ है। खुदा के घर में देर है अन्धेर नहीं है।आदमी को समय से डरना चाहिए क्योकि वक्त का कोई पता नहीं कि कब कौन मिट्टी में मिल जाए। समाज की रचना के लिए सादगीपूर्ण जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिए। मानव को हमेशा समानता व एक समान व्यवहार करना चाहिए। क्योकि जो आदमी भेदभाव करता है वह मानवता के नाम पर कलंक है।कहते है कि व्यक्ति को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए भले ही आदमी कितनी ही उंचाईयां छू लें।एक कहावत है कि मानव कितना भी अमीर हो जाए वह अपना अतीत नहीं खरीद सकता? आज दुनिया में कुछ ऐसे लोग है जो कभी दाने-दाने को मोहताज थे। मानव को सदा अच्छे कर्म करने चाहिए क्योकि अगर तुम अच्छा करोगे अच्छाई ही मिलेगी दुनिया युगों-युगों तक याद रखेगीं।हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए क्योकि सच्चाई की सदा जीत हुई है।सांच को आंच नहीं आती।अभावग्रस्त लोगों की सहायता करनी चाहिए।भूखे को रोटी खिलाओं, हमेशा अच्छा करोगे तो अमर हो जाओगे। अगर तुम किसी का अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत करो किसी को मत सताओ।पैसे से गुजरा हुआ समय खरीदना नामुमकिन है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए।ताकि विपतीयों का अहसास होता रहे। वर्तमान परिवेश में मानव इतना स्वार्थी व मौकापरस्त होता जा रहा है कि खुद को खुदा से उपर समझने लगा है। आज वह भगवान के साथ छल -कपट तक करने से नहीं चुकता मगर जब उसकी मार पडती है तो होश ठिकाने आ जाते हैं। ऐसे लोगों के आदमियों की पहचान नहीं होती कि कौन अच्छा है कौन बुरा है। आज चापलूस लोगों का बोलबाला हो गया है लेकिन खुदा सब देख रहा है समय ने करवट बदली और उनका भाग्य भी बदल गया लेकिन वह लोग अपनी औकात भूल गये कि एक समय ऐसा भी था कि उनके पास एक जोडी कपडे होते थे।खाने के लाले पडे होते थे। आज अच्छे दिन आ गये तो अपनों को भूल गये और हवा में उडने लगें लेकिन असली व नकली पंखों में फर्क होता है कार-कोठी को ही जीवन का लक्ष्य मान अन्य लोगो कों को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे व्यक्तियों की पोल आखिकार खुल जाती है, समाज में आत्मकेन्द्रीत लोगों का जमावडा बढता जा रहा है ऐसे लोग सिर्फ अपनों के सिवाय दूसरों का अच्छा नहीं कर सकते ऐसे लोग जानवरों से भी बदतर हैं।मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है।इंन्सानियत को हमेशा जिंदा रखें किसी गरीब को न सताएं।मानवता ही मानव की असली पूंजी है।समाज के हर मानव की सहायता करनी चाहिए। यह अटल सच्चाई है।

(वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संसद का शीतकालीन सत्र : एसआईआर पर बढ़ता संग्राम

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी दिल्ली एक ओर वायु प्रदूषण और सुरक्षा चुनौतियाँ दुनिया भर का ध्यान खींच रही हैं,वहीं दूसरी ओर भारतीय लोकतंत्र का मंदिर भारतीय संसद ,1 दिसंबर से19 दिसंबर तक चलने वाले अपने शीतकालीन सत्र के लिए तैयार है। शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले ही सत्ता के गलियारों का माहौल में सभी राजनीतिक दल ने कमर कस ली है।रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य भले ही सहयोग, समन्वय और सुचारू संचालन सुनिश्चित करना था,परंतु पूरी बैठक का केंद्र बिंदु एसआईआर–मतदाता सूची संशोधन विवाद–बनकर उभरा।जिस अंदाज में विपक्ष ने सरकार को घेरा,उससे संकेत साफ हैं कि यह सत्र शांत,सरल या सामान्य नहीं होने जा रहा।सर्वदलीय बैठक की शुरूआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सौहार्दपूर्ण अपील के साथ की।उन्होंने आग्रह किया कि सभी राजनीतिक दल संसद को चलने दें और गरिमामय बहस के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाएं।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी इसी भाव को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है,विपक्ष जो भी बात उठाना चाहे,उस पर सरकार सदन में संवाद करेगी। उनका कहना था कि बहस होगी, मतभेद भी होंगे,परंतु ये मतभेद व्यवधानों का रूप न लें–यही आशा है।आज की बैठक में जेपी नड्डा, अर्जुन मेघवाल,एल. मुरुगन,कांग्रेस की ओर से प्रमोद तिवारी,जयराम रमेश और गौरव गोगोई, टीएमसी के डेरेक ओह्लब्रायन,आरजेडी के मनोज झा,सपा के रामगोपाल यादव,आप के सुशील गुप्ता सहित तमाम दलों के वरिष्ठ नेता मौजूद थे।हालाँकि विपक्ष की ओर से अपेक्षित मुद्दों–राष्ट्रीय सुरक्षा,विदेश नीति,प्रदूषण संकट,आर्थिक चुनौतियों–का उल्लेख तो हुआ,लेकिन एसआईआर विवाद ने इन सभी चचाओं को पीछे धकेल दिया।जैसे ही बैठक शुरू हुई, एसआईआर पर उठे प्रश्नों ने माहौल गरमा दिया।विपक्ष का आरोप था कि मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया संदिग्ध है और इससे लोकतांत्रिक ढाँचे की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं।कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी का बयान विशेष रूप से तीखा था–ह्लअब सिर्फ वोट चोरी नहीं, बल्कि डकैती हो रही है।ह्व यह टिप्पणी केवल आरोप नहीं,बल्कि विपक्ष की व्यापक रणनीति की झलक भी थी,जो बताती है कि वह इस मुद्दे को संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह प्रमुख राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करेगा।

टीएमसी,डीएमके और समाजवादी पार्टी ने भी इसी स्वर में सरकार से जवाब माँगा।उनका कहना था कि एसआईआर के बहाने बड़े पैमाने पर जोड़-घटाव किए जा रहे हैं,जिससे चुनावी पारदर्शिता प्रभावित होगी और मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर आंच आएगी।विपक्ष ने मांग की कि सरकार इस विषय पर विस्तृत वक्तव्य दे और सभी असमंजस दूर करे।इस आक्रामकता के बीच जेडीयू नेता संजय झा ने विपक्ष की चिंताओं को अनावश्यक करार देते हुए कहा कि पिछले सत्र में भी विपक्ष ने एसआईआर पर खूब शोर मचाया था,परंतु कोई भी ठोस तथ्य सामने नहीं आ पाया।उन्होंने बिहार चुनाव परिणामों का हवाला देते हुए कहा कि जनता ऐसे आरोपों से प्रभावित नहीं हुई और उसने भ्रम फैलाने वालों को नकार दिया।बैठक समाप्त होने के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने और भी स्पष्ट शब्दों में आरोप लगाया कि सरकार धीरे-धीरे संसदीय परंपराओं को कमजोर कर रही है।उनका कहना था कि शीतकालीन सत्र को अनावश्यक रूप से छोटा रखा गया है ताकि गंभीर विषयों पर चर्चा से बचा जा सके।उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा,वायु प्रदूषण, लोकतंत्र की रक्षा और मतदाता सूची सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक बहस की मांग करेगी।माकपा नेता जॉन ब्रिटास ने हाल ही में लालकिले के पास हुए विस्फोट का हवाला देते हुए कहा कि इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को जगजाहिर कर दिया है,इसलिए संसद में इस पर गहन,तथ्यपूर्ण चर्चा होना आवश्यक है।उनका कहना था कि यदि सरकार इन विषयों को टालने की कोशिश करेगी और सत्र बाधित होगा,तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।दूसरी ओर,टीएमसी और डीएमके ने भी विपक्षी एकजुटता का संकेत देते हुए कहा कि यदि संसद जवाबदेही सुनिश्चित नहीं करती तो विपक्ष किसी भी मंच पर अपनी आवाज बुलंद करेगा।विपक्ष अपने मुद्दों को केवल सदन में नहीं,बल्कि जनमानस के स्तर पर भी ले जाने का मानस बना चुका है,और एसआईआर इसका केंद्रबिंदु है।

इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सरकार अपने विधायी एजेंडे को लेकर पूरी तरह तत्पर दिखाई दे रही है।इस सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत करने जा रही है।इनमें सबसे उल्लेखनीय असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का प्रस्ताव है,जिसके बारे में सरकार का मानना है कि इससे भारत वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में बेहतर स्थान हासिल करेगा।एटॉमिक एनर्जी बिल सहित कुल दस नए विधेयक सदन में रखे जाने की योजना है।सीमित समय को देखते हुए सरकार चाहती है कि अधिकतम विधायी कार्य पूरा किया जा सके और लंबित बिलों को आगे बढ़ाया जाए।यह सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब बिहार विधान सभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने भारी जीत दर्ज की है।इस जीत ने सत्तापक्ष को नई ऊर्जा दी है,लेकिन विपक्ष अपने आरोपों के साथ और भी सशक्त होकर संसद में उतरने की तैयारी कर रहा है।विपक्ष के निशाने पर न केवल एसआईआर है,बल्कि हाल में दर्ज सोनिया और राहुल गांधी पर प्राथमिकी,दिल्ली का प्रदूषण संकट,दिल्ली में आतंकी हमले, सुरक्षा चूक,और चुनावी पारदर्शिता से जुड़े प्रश्न भी हैं।विपक्ष इन सभी मुद्दों को केंद्र में रखते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा करना चाहता है।सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य सहयोग था,परंतु बैठक में उभरे सुरों ने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक सहमति बनना आसान नहीं।अधिकांश नेताओं ने यह अवश्य कहा कि संसद लोकतांत्रिक विमर्श का मंच है और विधेयकों को जल्दबाजी में पास करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए,परंतु यह विचार शायद आने वाले सत्र की वास्तविकता को नहीं बदल सकेगा। किरेन रिजिजू ने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि सरकार हर विषय पर चर्चा को तैयार है बशर्ते विपक्ष अपनी भूमिका रचनात्मक रखे। लेकिन विपक्ष के तीखे सुरों से संकेत मिलता है कि टकराव लगभग तय है।1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में कुल15 बैठकें प्रस्तावित हैं।इतने कम समय में व्यापक मुद्दों पर समग्र चर्चा कर पाना चुनौतीपूर्ण होगा।सरकार जहां अपने सुधारवादी विधेयकों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है,वहीं विपक्ष यह सुनिश्चित करना चाहता है कि जनता के हित और लोकतांत्रिक मूल्य केंद्र में बने रहें।इन दो ध्रुवों के बीच संसद की कार्यवाही गर्मागरम बहसों,तीखे आरोप-प्रत्यारोपों और कई अवसरों पर व्यवधान से भरी रहने की संभावना है।शीतकालीन सत्र केवल विधायी कामकाज का अवसर नहीं,बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता की परीक्षा भी होगा।सत्ता और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि वे देश की संवैधानिक गरिमा और संसदीय परंपराओं को सर्वोपरि रखें।यह सत्र बताएगा कि क्या राजनीतिक दल इन आदर्शों पर खरे उतरते हैं या फिर राजनीति की गहमागहमी संसद के संचालन पर हावी हो जाती है। ऐसे माहौल में राजनीतिक तापमान दिल्ली की गुलाबी सर्द हवाओं के बीच इन दिनों राजधानी की राजनीतिक फि जा में असामान्य रूप से गरमाहाट से भरी है।

एसआईआर की घोषित तिथियां को एक सप्ताह बढ़ाते हुए संशोधित तिथियां जारी

अमरोहा (सब का सपना):– उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अहर्ता तिथि 01 जनवरी, 2026 के आधार पर प्रदेश में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषित तिथियां को एक सप्ताह बढ़ाते हुए संशोधित तिथियां जारी कर दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संशोधन तिथियां के अनुसार 11 दिसम्बर 2025 तक गणना अवधि निर्धारित की गई है। मतदेय स्थलों का संभाजन भी 11 दिसम्बर, 2025 तक किया जाएगा। 12 दिसंबर से 15 दिसंबर, 2025 तक कंट्रोल टेबल का अद्यतनीकरण एवं आलेख्य नामावली की तैयारी

की जाएगी। उन्होंने बताया कि 16 दिसंबर, 2025 को निर्वाचन नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन होगा। 16 दिसम्बर, 2025 से 15 जनवरी, 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। 16 दिसंबर, 2025 से 07 फरवरी, 2026 तक नोटिस चरण में गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे और आपत्तियों का निस्तारण ईआरओ द्वारा किया जाएगा। 10 फरवरी, 2026 को आयोग से अंतिम प्रकाशन की अनुमति प्राप्त करना है। प्रदेश में निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी, 2026 को किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक प्रदेश में 10.75 करोड़ से अधिक यानी 70 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो चुका है। साथ ही अब तक 9177 मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि चूंकि एक सप्ताह की अवधि और मिल गई है, इसलिए उनके अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों खासकर बीएलओ को अनावश्यक मानसिक दबाव में आने की आवश्यकता नहीं है। पर्याप्त समय है जिसमें सारा कार्य पूर्ण हो सकता है। ऐसे बीएलओ जो किसी भी वजह से कार्य में पिछड़ गए हैं और जिनको सहयोग की आवश्यकता उनको यथा आवश्यक सहयोग दिलाया जाए।

उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व हर पोलिंग बूथ पर बीएलओ और राजनैतिक दलों द्वारा तैनात बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की बैठक होगी। जिसमें बीएलओ द्वारा ऐसे मतदाताओं की सूची बीएलए को उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनका नाम ड्राफ़्ट मतदाता सूची में किन्हीं कारणों की वजह से नहीं आ रहा है।

बछरायूं पुलिस ने 'ऑपरेशन किरण' के तहत सुलझाया परिवार का मसला, घर भेजा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):– थाना बछरायूं पुलिस ने ऑपरेशन किरण अभियान के तहत एक परिवार में चल रहे विवाद के मसले को सुलझाया और राजी रजमे के साथ घर भेज दिया। इस कार्यवाही को पुलिस द्वारा अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया और क्षेत्राधिकार धनोरा अंजलि कटारिया के पर्यवेक्षक में किया गया। बता दें कि बछरायु थाना पुलिस ने ऑपरेशन किरण के तहत एक पारिवारिक विवाद को सफलतापूर्वक सुलझाकर एक परिवार को बिखरने से बचा लिया। रविवार को थाना बछरायूं पुलिस को एक पारिवारिक विवाद से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ था, इसके बाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन किरण के तहत पुलिस टीम ने दोनों

पक्षों के बीच गहन काउंसलिंग का आयोजन किया। लंबी बातचीत और समझाइश के बाद दोनों परिवार सुलझ समझौते के लिए सहमत हो गए। काउंसलिंग के सकारात्मक परिणाम स्वरूप पति-पत्नी ने साथ रहने का निर्णय लिया और समझौते के बाद दंपति को उनके घर भेज दिया गया।

इस मामले में उप निरीक्षक संजोग तोमर, कांस्टेबल वर्षा और पारुल की टीम ने समझौता कराया।

अमरोहाः ठंड से गौवंश की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन सक्रिय

अमरोहा (सब का सपना):– जिले में कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने गौवंशों की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। जिले की सभी गौशालाओं में पशुओं को ठंड से बचाने के लिए विशेष तैयारी पूरी कर ली गई है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त ने बताया कि जिले की समस्त गौशालाओं में त्रिपाल लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिससे ठंडी हवाओं से गौवंश को राहत मिलेगी।इसके अतिरिक्त, छोटे बछड़ों, बीमार तथा गर्भवती पशुओं के लिए जूट की बोरियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन बोरियों से पशु जमीन की ठंडक

से बचे रहेंगे। गौशालाओं में हीटर की व्यवस्था भी की गई है, ताकि रात के समय तापमान में भारी गिरावट होने पर भी पशुओं को गर्मी मिल सके।डॉ. आभा दत्त ने बताया कि सभी गौशालाओं में पशुओं को केवल ताजा एवं गुनगुना पानी पिलाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। ठंडा पानी पीने से पशु बीमार पड़ सकते हैं, इसलिए इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।जिला प्रशासन ने जिले के सभी पशुपालकों से भी अपील की है कि वे अपने पशुओं को ठंड से बचाने के लिए उचित प्रबंध करें और विशेष रूप से ताजा पानी ही पिलाएँ।

प्रशासन का कहना है कि पशुओं की देखभाल से न केवल उनकी सेहत बनी रहेगी, बल्कि दूध उत्पादन पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा।इस पहल से जिले में सैकड़ों गौवंशों को ठंड के प्रकोप से बचाया जा सकेगा। प्रशासन की यह मुहिम सराहनीय है और पशुप्रेमियों द्वारा इसका स्वागत किया जा रहा है।

यातायात माह 2025 के अंतर्गत गजरौला क्षेत्र में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

अमरोहा(सब का सपना):– यातायात माह 2025 के अंतर्गत रविवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में गजरौला क्षेत्रान्तर्गत एक व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस संयुक्त अभियान का नेतृत्व प्रभारी यातायात अमरोहा, चौकी प्रभारी गजरौला चौपला, यातायात पुलिस तथा थाना पुलिस द्वारा किया गया। अभियान के तहत हसनपुर रोड, धनौरा रोड तथा दिल्ली रोड पर प्राप्त अतिक्रमण संबंधी शिकायतों के आधार पर पुलिस बल ने मौके पर पहुँचकर सड़क किनारे किए गए अस्थायी ठेले, अवैध कब्जे, दुकानों द्वारा किए गए अनधिकृत विस्तार तथा यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले अवरोधों को हटवाया। कार्रवाई से पूर्व पुलिस द्वारा स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों से स्वयं अतिक्रमण हटाने एवं सार्वजनिक मार्ग अवरुद्ध न करने की अपील की गई। इसके बाद सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने नागरिकों को जागरूक करते हुए बताया कि सड़क पर अनावश्यक कब्जा न केवल यातायात को बाधित करता है, बल्कि दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ाता है। अतः सभी व्यापारी एवं आमजन नियमों का पालन करें तथा सार्वजनिक मार्गों को हमेशा खुला रखें। पुलिस द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि ऐसे अतिक्रमण विरोधी अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाते रहेंगे, ताकि क्षेत्र में सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुगम यातायात व्यवस्था को निरंतर बनाए रखा जा सके।

सऊदी से भेजे गए रुपये गलत खाते में चले गए, साइबर पुलिस ने दिलाए वापस

हयातनगर/संभल(सब का सपना):– थाना क्षेत्र की रहने वाली सना फातिमा को उनके मामा ने सऊदी अरब से 48,609 रुपये भेजे थे, लेकिन खाता संख्या में एक अंक की गलती के कारण पूरी रकम गलत खाते में ट्रांसफर हो गई। पीड़िता ने 2 अप्रैल 2025 को इसकी शिकायत राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज कराई थी। मामले की जांच हयातनगर थाने के साइबर प्रभारी व उपनिरीक्षक दिनेश कुमार और उनकी टीम ने की। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, एएसपी (दक्षिणी) एवं नोडल साइबर क्राइम अनुकृति

शर्मा (IPS), अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह तथा क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार भाटी (LPS) के निर्देशन में की गई त्वरित कार्रवाई के बाद पता चला कि राशि बरेली जिले के मीरगंज क्षेत्र के बसई निवासी विजयकांत पुत्र लक्ष्मीकांत के खाते में चली गई थी। साइबर टीम ने समन्वय पोर्टल के माध्यम से विजयकांत को नोटिस जारी किया। नोटिस मिलते ही विजयकांत स्वयं हयातनगर थाने पहुंचे और सना फातिमा को नकद 48,609 रुपये वापस लौटा दिए। पीड़िता ने पूरी राशि वापस मिलने पर पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर फ्रॉड के साथ-साथ इस तरह की तकनीकी गलतियों से होने वाले नुकसान को भी साइबर सेल अब प्राथमिकता से ठीक करवा रहा है। मात्र आठ महीने में राशि वापस दिलाने का यह मामला जिले में साइबर पुलिस की सक्रियता का बेहतरीन उदाहरण है।

बाल विवाह मुक्त अभियान के क्रम में एक किशोरी का बाल विवाह होने से रुकवाया

बनियाठेर/संभल(सब का सपना):– जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देशन में चलाए जा रहे बाल विवाह मुक्त अभियान के क्रम में आज एक किशोरी का बाल विवाह होने से रुकवाया आपको बताते चलें की भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने सभी संबधित अधिकारियों को पत्र जारी कर इस अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार करने को कहा था और स्पष्ट निर्देश दिये थे की कहीं भी बाल विवाह न होने पाए। रविवार को थाना बनियाठेर अंतर्गत एक गाँव में एक किशोरी का बाल विवाह होना था जिसकी सूचना जिले में बाल विवाह के लिए काम करने वाली जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी प्रयत्न संस्था को मिली जिस पर बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गौरव गुप्ता ने किशोरी के होने बाले बाल विवाह को तुरंत प्रभाव से रोकने के लिए थाना ए एच टी एवं थाना बनियाठेर को आदेशित किया जिसके अनुक्रम में कर्यवाहक

प्रभारी उप निरीक्षक बाबू राम सैनी के निर्देशन में एक टीम गठित की जिसने गाँव पहुंचकर किशोरी के आयु संबंधित दस्तावेजों की जांच की जिसमें किशोरी के नाबालिग होने की पुष्टि हुई जिस पर टीम ने परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के विषय में समझाया और कहा कि बाल विवाह के आयोजन में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागी जिसमें शादी कराने वाले पंडित से लेकर नाई हलवाई टेंट वाला और सभी सेवा प्रदाताओं के साथ जो भी बाल विवाह के आयोजन में सम्मिलित होगा उन सभी पर कानूनी कार्यवाही कि जाएगी जिसके बाद किशोरी का बाल विवाह रुकवा दिया गया और किशोरी को वन स्टॉप सेंटर ले जाया गया जहां चाइल्डलाइन टीम द्वारा किशोरी कि काउंसलिंग कि गई और कल बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा इस अवसर पर एनजीओ प्रभारी गौरीशंकर चौधरी, थानाध्यक्ष बनियाठेर मनोज कुमार,उप निरीक्षक संदीप शर्मा, पंकज कुमार, हेड कांस्टेबल रवी कांस्टेबल नवीन कुमार, अरुण कुमार, मोहित कुमार, अमित कुमार, मयंक एव महिला हेड कांस्टेबल डौली रानी मौजूद रहे।

धनौरा में महिला शिक्षक संघ ने उठाई टीईटी अनिवार्यता खत्म करने की मांग,सांसद को सौंपा ज्ञापन

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):– महिला शिक्षक संघ के सदस्यों ने टीईटी की अनिवार्यता को खत्म करने की मांग उठाई है जिसके लिए संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को अमरोहा सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन सौंपा है।सौंपे के ज्ञापन में टीईटी की अनिवार्यता को खत्म करने की मांग उठाई गई है। शिक्षकों का कहना है कि वर्षों से कार्यरत शिक्षकों पर अनिवार्य टीईटी लागू करना अव्यवहारिक निर्णय है। बता दें कि रविवार को इसके बारे में जानकारी देते हुए महिला शिक्षक संघ अमरोहा की जिला अध्यक्ष नीतू सिंह ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के

आदेश के बाद 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए भी टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य हो गया है जबकि केंद्र सरकार और एनसीटीई की अधिसूचना में ऐसी कोई बाध्यता नहीं थी ,उन्होंने कहा कि 2 वर्ष में टीईटी पास न करने पर सेवा समाप्त होने की आशंका शिक्षकों में भय और असमंजस पैदा कर रही है ,वहीं इसके बारे में जानकारी देते हुए अंजू गौतम ने बताया कि प्रदेश भर में सांसदों को ज्ञापन सौंप कर केंद्र सरकार से विधायी हस्तक्षेप की मांग की जा रही है। इसका उद्देश्य 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करना है ,यह निर्णय देश के लगभग 20 लाख शिक्षकों की नौकरी पर संकट खड़ा कर सकता है। इसके अलावा ज्योति सिंह ने तर्क देते हुए कहा कि आरटीई अधिनियम विभिन्न राज्यों में अलग-अलग समय पर लागू हुआ है इसलिए कट ऑफ वर्ष भी राज्यवार निर्धारित किया जाना न्याय संगत होगा, इस अवसर पर संघ की जिला अध्यक्ष नीतू सिंह ,सोनम गुप्ता, ज्योति सिंह, बेबी, गीता, मनीषा सिंह, मीनाक्षी मोगा ,सुनीता और अंजू गौतम सहित कई शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। वहीं सांसद कंवर सिंह तवर ने भी प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे और आगे की कार्यवाही के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखेंगे।

यातायात जागरूकता माह नवंबर का भव्य समापन, छात्रों व ट्रैफिक कर्मियों को किया गया सम्मानित

बहजोई/संभल(सब का सपना):– पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद संभल के पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में यातायात जागरूकता माह (नवम्बर 2025) का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की गरिमा को क्षेत्राधिकारी यातायात, होमगार्ड कमांडेंट संभल तथा प्रभारी यातायात की उपस्थिति से चार चाँद लग गए। यातायात माह के दौरान जनपद के विभिन्न विद्यालयों में निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग एवं क्विज प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई थीं। इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को मंच पर बुलाकर क्षेत्राधिकारी दीपक तिवारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने में सराहनीय कार्य करने वाले उन ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को भी पुरस्कृत किया गया, जिन्होंने सबसे अधिक चालान कर यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराया। इन कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। कार्यक्रम में यातायात सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हेलमेट वितरण कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। जरूरतमंद दोपहिया वाहन चालकों को मुफ्त हेलमेट भेंट किए गए ताकि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता और बढ़े। क्षेत्राधिकारी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन हर नागरिक का दायित्व है। उन्होंने बच्चों व ट्रैफिक कर्मियों के कार्य की प्रशंसा की और सभी से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन कुशलता से किया गया और अंत में सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

एस आई आर फॉर्म को लेकर लगा विशेष कैंप

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):– मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियानः गांव ढक्का में अलग अलग स्थानों पर जैसे प्राथमिक विद्यालय और जूनियर हाई स्कूल में कैंप लगाया गया जिसमें गांव के व्यक्तियों को फॉर्म को लेकर जागरूक के साथ साथ उनके फॉर्म भरने का काम किया गया (SIR-2025) को सफल बनाने के लिए गांव ढक्का के जूनियर हाई स्कूल में विशेष कैंप लगाया गया है। इस कैंप में अब तक सैकड़ों लोगों ने अपना SIR फॉर्म जमा किया है। एडवोकेट अब्दुल अफ्फान चौधरी ने ग्रामीणों से अपील की है कि जो लोग अभी तक अपना फॉर्म नहीं भरवा सके हैं, वे जल्द से जल्द स्कूल पहुंचकर फॉर्म भरवा लें। आपको बता दें कि भारत के 12 राज्यों में चुनाव आयोग के मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चल रहा है जिस अभियान रक्फ़ 2025 की अंतिम तिथि 4 दिसंबर थी अब उसको बढ़ाकर 11

दिसंबर कर दी गई है उन्होंने कहा तारीख बढ़ने पर कोई भी व्यक्ति लापरवाही ना करें अपने फार्म को जल्द से जल्द भरवा कर अपने बीएलओ को जमा कर दें क्योंकि समय बहुत कम है और काम बहुत ज्यादा है, अगर आप अपना SIR फॉर्म नहीं भरवाते हैं तो आने वाले समय में वोटर लिस्ट से आपका नाम कट सकता है। इससे आपको मतदान करने, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और कई अन्य कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यह आपका मौलिक अधिकार है, इसे सुरक्षित रखें। कैंप में बीएलओ और स्कूल स्टाफ भी सहयोग लिया जा रहा हैं। ग्रामीणों ने इस पहल की प्रशंसा की है बीएलओ समीना परवीन बीएलओ शीबा परवीन और सहायक इरम चौधरी पत्रकार मौङ्क आसिफ विशेष रूप से सहयोग रहा आवश्यक दस्तावेज के साथ सभी 18 वर्ष से अधिक आयु के युवा एवं अन्य मतदाता अपना फॉर्म भरवा कर जल्द से जल्द जमा करे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत 650 जोड़े विवाह के बंधन में बंधे

बहजोई/संभल(सब का सपना):- शासन की महत्वपूर्ण योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत बड़ा मैदान निकट कलक्ट्रेट परिसर बहजोई में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के प्रभारी मंत्री राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश धर्मवीर प्रजापति एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव तथा भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू तथा पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव, पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी, माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी के प्रतिनिधि रामपाल सिंह, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री मंजू दिलेर, पूर्व जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खडगवंशी एवं भुवनेश राघव ने प्रतिभाग किया। सर्व प्रथम मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री तथा विशिष्ट अतिथि गणों का

एक पुष्प एवं एक पुस्तक तथा जनपद सम्भल प्रशासन की नयी परम्परा पंचोपचार के द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय की बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत गया गया। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के अन्तर्गत सामूहिक विवाह के लिए हुए पंजीकरण एवं विभिन्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू ने अपने संबोधन में कहा कि शासन की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना एक महत्वपूर्ण योजना है, उन्होंने शासन की अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन की सराहना की तथा उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बहुत ही संवेदनशील है सरकार के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनकल्याण से संबंधित योजनाएं चलायी जा रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। प्रत्येक योजना को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति द्वारा विवाह के बंधन में बंधने वाले जोड़ों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं तथा उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही बड़ा समारोह आयोजित किया जा

रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत अब बेटियों के विवाह पर 51 हजार रुपये के स्थान पर एक लाख रुपये खर्च किये जा रहे हैं। प्रत्येक जिला में इस समारोह का आयोजन किया जा रहा है यह शासन की सोच को दिखाता है कि सरकार गरीब परिवारों के हित के लिए कितना सोच रही है।उन्होंने कहा कि अगर कोई परिवार अपने घर पर शादी करता है तो उसमें परिवार एवं उसके आसपास के लोग ही सम्मलित हो पाते हैं परन्तु मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के अन्तर्गत अगर कोई परिवार शादी करता है तो उस नव विवाहित जोड़े को जनप्रतिनिधि, मंत्री ,जिला प्रशासन आदि आशीर्वाद देने आ रहे हैं । शासन आम व्यक्ति के सभी हितों का ध्यान रखती है तथा योजनाओं के माध्यम से गरीब परिवारों को हर चिंता से मुक्त करने का कार्य करती है। शासन द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ यह कार्य किया जा रहा है। मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री तथा जिला पंचायत अध्यक्ष तथा सभी विशिष्ट अतिथियों द्वारा मंच से नव वर बधु को एक पुष्प एवं एक पुस्तक देकर उनको आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू तथा पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा ओमवीर सिंह खडगवंशी तथा भुवनेश राघव द्वारा भी संबोधित किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के अन्तर्गत 650 जोड़ों का सामूहिक विवाह उनके सामाजिक / धार्मिक मान्यता परम्परा रीति रिवाज के अनुरूप आज सम्पन्न हुआ तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत विकासखंड तथा नगर पालिका एवं नगर पंचायत स्तर पर हिन्दू एवं मुस्लिम आवेदन प्राप्त हुई तथा कार्यक्रम में बायोमैट्रिक्स के आधार पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत आयोजन में सम्मिलित होने वाले जोड़ों की उपस्थिति करायी गयी।

इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार,परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह तथा जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्रभूषण, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार, एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थिति रहे।

तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, एक की मौत, दो गंभीर घायल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में कठेरिया पेट्रोल पंप के पास दोपहर करीब साढ़े तीन बजे एक तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान रामू (30) पुत्र परशुराम, निवासी अतरा पुरा, थाना बिसौली के रूप में हुई है। घायलों में प्रमोद (45) पुत्र खैमी और गुलाब सिंह (45) पुत्र खेम सिंह, दोनों निवासी अहमदनगर थरैसा, थाना बनियाठेर शामिल हैं। तीनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर बहजोई से बबराला की ओर जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने तीनों को तत्काल सीएचसी बहजोई पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने रामू को मृत घोषित कर दिया। प्रमोद और गुलाब सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया गया। दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। टक्कर मारने वाली पिकअप मौके से फरार हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर लोगों में रोष है।

श्रीराम जन्मभूमि में सप्त मंडप समेत सभी मंदिरों का निर्माण पूरा, ध्वजदंड और कलश भी स्थापित

संवाददात

कुशीनगर। बौद्ध धर्मगुरु अभिध्वजा महारथा महा गुरु दिवंगत भदंत ज्ञानेश्वर की चित्त विमुक्ति हेतु आयोजित श्रद्धांजलि सभा ने उनके उतराधिकार, ट्रस्टों की देखभाल और भिक्षु संघ अध्यक्ष की घोषणा भंते के लीगल अधिवक्ता विजय कुमार रावत ने की और सभा के समक्ष उनके इच्छानुसार पढ़कर सुनाया। दिवंगत भदंत के द्वारा लिखे गए वसीयत मुताबिक कुशीनगर भिक्षु संघ के अध्यक्ष के रूप में भंते ऊ नंदा और उत्तराधिकारी के रूप में भंते ऊ नंदका के नाम की घोषणा मंच पर भंते के लीगल अधिवक्ता विजय कुमार रावत ने की। दिवंगत भिक्षु ने अपने जीते जी संघ और उतराधिकार का दस्तावेज तैयार करा किया था और उन्होंने ने इसे गोपनीय रखने के निर्देश दे रखे थे। अधिवक्ता श्री रावत ने बौद्ध धर्म गुरु की इच्छा को बताया और जो व्यवस्था उन्होंने बनाई थी। उसके अनुरूप सर्वप्रथम संघ के अध्यक्ष पद पर ऊ नंदा, उपाध्यक्ष भिक्षु शील प्रकाश, महा सचिव भिक्षु डॉ नन्द रतन, ऊ नंदका मंत्री, कोषाध्यक्ष भिक्षु इंद्र वंश उर्फ अशोक, सदस्य भंते महेंद्र और भंते यू शोभना हैं। इसी क्रम में उन्होंने ने भदंत ज्ञानेश्वर ने अपने जीवन काल में कुशीनगर, नागपुर, सोनौली आदि विहारों और परिसंपत्तियों के लिए जो ट्रस्ट बनाया उसमें भिक्षु ऊ नंदका को उत्तराधिकारी बनाया। उनके अभिभावक की जिम्मेदारी ऊ नंदा को दी है। उनके द्वारा बने चार ट्रस्टों में सुचारु रूप से कार्य संचालन हेतु उन्होंने दायित्व भी सौंपा। जिनमें ऊ नंदा, भिक्षु शील प्रकाश, भिक्षु डॉ नन्द रतन, ऊ नंदका, भिक्षु इंद्र वंश उर्फ अशोक, भंते महेंद्र और भंते यू शोभना शामिल हैं। ट्रस्टों के प्रभारी ऊ नंदा ने कहा कि उनकी इच्छा को हम सभी को मानना है। किसी को भी पद दिया जाय कोई फर्क नहीं पड़ता। सहयोग से ही होगा। सभा में मौजूद भिक्षुओं और उपासकों ने दिवंगत भंते के निर्णय का स्वागत किया।

फतेहपुर में पत्नी की हत्या कर पति थाने पहुंचा

फतेहपुर। पति ने अफेयर के शक में पत्नी की हत्या कर दी। शनिवार रात दोनों के बीच झगड़ा हुआ। गुस्से में पति ने सब्बल उठाया और पत्नी के सिर पर मार दिया। उनका 7 साल का बेटा मां के बगल में सो रहा था। रविवार सुबह पति खुद थाने पहुंचा। पुलिसवालों से बोला- मैंने पत्नी की हत्या कर दी है। घर में शव पड़ा है। यह सुनकर पुलिस पति को साथ लेकर उसके घर पहुंची। महिला का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। साथ ही गांववालों और घरवालों से पूछताछ की। मामला राधा नगर थाना क्षेत्र का है। मूलरूप से गांव रमवा मे रहने वाले अजय सिंह (38) की 14 साल पहले शिखा सिंह (32) से शादी हुई थी। पिछले डेढ़ महीने से वह पत्नी और बच्चों के साथ झाऊपुर वार्ड में किराए के मकान में रह रहा था। शनिवार रात अजय का अपनी पत्नी शिखा से झगड़ा हो गया। गुस्से में अजय ने शिखा के सिर पर सब्बल मार दिया। इससे उसकी मौत हो गई। रात भर उसका शव कमरे में ही पड़ा रहा। रविवार सुबह अजय खुद राधा नगर थाने पहुंचा और पुलिसवालों को पत्नी की हत्या करने की बात बताई। अजय को लेकर पुलिस मौके पर पहुंची। वहां चारपाई पर शिखा का खून से लथपथ शव पड़ा था। उसका 7 साल का बेटा युवराज मां के पास सो रहा था।

शिखा, मृतका

दिवंगत एबी ज्ञानेश्वर महाथेरो के श्रद्धांजलि सभा में हुआ संघदान एवं भोजन दान

संवाददात

कुशीनगर। बुद्ध स्थली स्थित म्यांमार मंदिर में दिवंगत एबी ज्ञानेश्वर महाथेरो के चित्त विमुक्ति हेतु संघदान एवं श्रद्धांजलि सभा व भोजन दान का आयोजन किया गया। रविवार की सुबह भिक्षु संघ कुशीनगर के नेतृत्व में भिक्षुओं ने मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन पूजन कर चीवर चढ़ाया तथा बोधि वृक्ष पर जल दान किया, सामूहिक महापरितपाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि भंते ज्ञानेश्वर ने शिक्षा

और सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए। उनकी इच्छा और निदेशों का सम्मान है। बीपीजी के प्राचार्य डॉ विनोद मोहन मिश्रा ने कहा कि गुरु जी ने जन सेवा के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान दिया और बौद्ध साहित्य, दर्शन को बढ़ावा देने के लिए पाली भाषा के अध्ययन के लिए पाली भवन बनकर तैयार है और विषय की मान्यता भी मिल गई है। सपा नेता राजेश प्रताप राव ने कुशीनगर के विकास में उनके योगदान की चर्चा की। प्रो. वीरेंद्र कुमार ने भंते ज्ञानेश्वर के जीवन और उनके गुरु भिक्षु चंद्रमणि द्वारा धर्म और कुशीनगर के विकास, इतिहास पर चर्चा की। संचालन भंते डॉ नन्द रतन ने किया। इस दौरान भिक्षु ऊ नंदा, भिक्षु के उत्तराधिकारी ऊ नंदका, भिक्षु शील प्रकाश, भंते डॉ नंद रतन, भंते अशोक, भंते महेंद्र, भंते भिक्षुणी धम्म नैना, भंते यशपाल, भंते उपाली, भंते कंचुक लामा, भंते सगरा, पी सों क्रान, डॉ कितिफान, भंते आलोक, भंते उत्तरानंद आदि भिक्षुओं के अलावा डॉ राघवेंद्र पटेल, एड जितेंद्र पटेल, डीपी बौद्ध, डॉ राजकुमार त्यागी, राम नगीना, टीके राय, सीताराम मौर्या, ओमप्रकाश कुशवाहा, विनोद जायसवाल, पप्पू गुरु जी सहित भिक्षु और उपासक शामिल रहे।

संस्कृत गोष्ठी एवं गायन एवं गीता के श्लोकों से अभिभूत हुए श्रोता

संवाददात

कसया, कुशीनगर। मीरा सुरेश सेवा न्यास के तत्वावधान में वार्ड नंबर 24, चित्रतूली निवास पर एक भव्य संस्कृत गोष्ठी एवं गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूर्णतः संस्कृत भाषा एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को समर्पित रहा। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ रविशंकर प्रताप तथा विशिष्ट अतिथि डॉक्टर बच्चा मद्धेशिया रहे। अध्यक्षता डॉक्टर अमरीश विश्वकर्मा ने की और संयोजक राजू मद्धेशिया द्वारा प्रभावी संचालन किया गया। मुख्य प्रवक्ता वंदना मद्धेशिया ने संस्कृत भाषा की

महत्ता, भारतीय संस्कृति के संवर्धन तथा गीता के सार्वभौमिक संदेश पर विचार व्यक्त करते हुए कहा संस्कृत हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, जो समाज को ज्ञान, अध्यात्म और नैतिकता का मार्ग दिखाती है। विशेष प्रस्तुति सुनील मिश्रा द्वारा गाया गया संस्कृत गीत रहा। उन्होंने भगवद्गीता के श्लोकों पर आधारित मनमोहक गायन प्रस्तुत किया, जिसने श्रोताओं को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया। कार्यक्रम में प्रस्तुत प्रमुख संस्कृत गीतः कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥ गीत की पवित्रता और भावपूर्ण प्रस्तुति ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। मुख्य अतिथि डॉक्टर रविशंकर प्रताप ने कहा कि गीता का ज्ञान मानव जीवन को दिशा देने वाला शाश्वत मार्ग है। संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति का आधार स्तंभ है। विशिष्ट अतिथि डॉक्टर बच्चा मद्धेशिया ने कहा कि संस्कृत कार्यक्रम समाज को अपने मूल्यों से जोड़ते हैं। युवाओं को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। अंत में मीरा सुरेश सेवा न्यास के अध्यक्ष मुन्ना मद्धेशिया ने सभी अतिथियों, सहयोगियों और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रमेश मद्धेशिया, धीरज जायसवाल, मनोज सिंह, आनंद शेखर सिंह, सुनील चौरसिया, कृष्णा मुरारी, धर द्विवेदी, सुभाष गुप्ता सहित अनेक सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस ने अवैध गांजे के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

संवाददात

हमीरपुर। अपराधों की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत सिसोलर पुलिस ने सिसोलर मौदहा रोड से थाना क्षेत्र के 55 वर्षीय गांजा तस्कर जंगबहादुर पुत्र स्वष० रामस्वरूप उर्फ टीलू को 590 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने तस्कर के खिलाफ मु0अ0सं0 112/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गये गांजा तस्कर के खिलाफ पहले से ही मु0अ0सं0 58/2004 धारा 393/302 आईपीसी, मु0अ0सं0 159/10 धारा 323/504/506 आईपीसी व 3(1)(10) एससी /एसटी एक्ट, मु0अ0सं0 125/13 धारा 308/504/325/323/506 आईपीसी, मु0अ0सं0 173/22 धारा 504/506 आईपीसी, मु0अ0सं0 32/25 धारा115(2)/352/351(3)बी0एन0एस0 सहित आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। वही तस्कर को गिरफ्तार करने वाली टीम में एस आई शिवम दत्त, एस आई कपिल मलिक सहित कांस्टेबल सुरेन्द्र यादव शामिल रहे।

झांसी में कबाड़ के गोदाम में लगी आग

झांसी। कोतवाली थाना क्षेत्र के नारायण बाग रोड पर बसी राय विहार कॉलोनी में बने कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड की 20 गाड़ियों ने आग बुझाने की कोशिश की लेकिन, आग कम होने का नाम नहीं ले रही थी। आग इतनी विकराल है कि लोहा भी प्लास्टिक की तरह पिघल रहा था। पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। राय विहार कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने बताया कि यहां नारायण धर्मशाला के रहने वाले विक्की खटीक का कबाड़ का गोदाम है। शनिवार की रात 8.30 बजे के आसपास एक बरात यहां से निकली, जिसमें आतिशबाजी हो रही थी। बताया जा रहा है कि इसी दौरान स्काईशॉट की चिंगारी गोदाम पर आकर गिरी, जिससे यहां रखे ज्वलनशील कबाड़ में आग लग गई। बंद गोदाम में चिंगारी इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। आसपास रिहायशी मकान होने के चलते लोग भाग कर सड़क पर आ गए। साथ ही फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। शुरूआत में मौके पर फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां आग पर काबू पाने के लिए पहुंची थीं। साथ ही 20 फायर फाइटर भी कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाने का प्रयास कर करते रहे लेकिन, आग लगातार भड़कती जा रही रही थी। हजारों लीटर पानी इस्तेमाल करने के बाद भी फायर ब्रिगेड कर्मी तीन घंटे तक आग लगातार पर काबू नहीं पा सके थे। यहां लगी आग की लपटें 50 मीटर ऊपर तक जा रही थीं। लागातार कोशिश और 20 गाड़ियों के इस्तेमाल के बाद आग 5 घंटे बाद काबू की जा सकी। अच्छी बात यह रही कि इस आग में इंसानी नुकसान नहीं हुआ है।

पुलिस ने शराब ठेकों के कलेक्शन लूटने वाले खतरनाक गिरोह का किया पदार्फाश

हजरतनगरगढ़ी/संभल(सब का सपना):- पुलिस ने शराब ठेकों के कलेक्शन लूटने वाले खतरनाक गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस मुठभेड़ में दो अभियुक्तों को गोली लगी, जबकि तीसरा पहले ही गिरफ्तार हो चुका था। पुलिस ने लूटी गई 5 लाख 3 हजार 400 रुपये की नकदी, दो देशी तमंचे, कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 29 नवंबर को यातायात माह के दौरान थाना हजरतनगरगढ़ी की पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदीप यादव पुत्र सतीश चंद यादव (निवासी अचलपुर, थाना अनूपशहर) बिना नंबर प्लेट की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर संदिग्ध हालत में मिला। पूछताछ में पता चला कि यह मोटरसाइकिल 3 नवंबर को चोरी की गई थी और इसके खिलाफ एफ आई आर दर्ज है। संदीप के कब्जे से 24,600 रुपये नकद भी बरामद

हुए। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने खुलासा किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर 25 नवंबर को फिरोजपुर पुल के पास शराब ठेकों के कलेक्शन करने वाले कर्मचारियों से करीब 70-80 हजार रुपये लूटे थे। लूट में इस्तेमाल मोटरसाइकिल चोरी की थी और भागने के लिए साथी गौरव बाल्मीकि की वैगनआर कार का प्रयोग किया गया था। संदीप ने बताया कि वह पहले शराब कंपनी में काम करता था और कलेक्शन की पूरी जानकारी रखता था। कर्ज में डूबने के बाद उसने रिश्ते के मामा मुकेश यादव और दोस्त गौरव बाल्मीकि के साथ मिलकर यह लूट प्लान की थी। 25 नवंबर को तीनों ने मिलकर सिरसी क्षेत्र में लूट को अंजाम दिया था।

संदीप से मिली सूचना पर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया। 29 नवंबर की रात को ही पुलिस ने जंगल (ग्राम आबादवाली महमूदपुर मालिनी के पास) में घेराबंदी की। अभियुक्त गौरव बाल्मीकि (निवासी जिरौली, अनूपशहर, हाल पता सेक्टर-134

नोएडा) और मुकेश यादव (निवासी भारद्वाज कॉलोनी, अनूपशहर, हाल पता सेक्टर-134 नोएडा) ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें दोनों अभियुक्तों को पैरों में गोली लगी। दोनों घायल हैं और जिला अस्पताल में भर्ती हैं। लूटी गई रकमः 5,03,400 दो देशी तमंचे 315 बोर 4 खाली खोखे और 2 जिंदा कारतूस चोरी की मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर पुलिस ने बताया कि गिरोह (30 नवंबर को) फिर पूरे जिले की शराब दुकानों से भारी कलेक्शन लूटने की फिराक में था, जिसे समय रहते नाकाम कर दिया गया। थाना हजरतनगरगढ़ी पर लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। तीनों अभियुक्तों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस का कहना है कि इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में शराब ठेका कलेक्शन करने वाले कर्मचारियों में सुरक्षा का भाव जागा है।

3 दिन से लापता प्रोफेसर को रजबपुर पुलिस ने किया सकुशल बरामद

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर में श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर आकाश भारद्वाज को रजबपुर थाना पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है और उनके परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा था कि प्रोफेसर आकाश भारद्वाज बीते शुक्रवार की दोपहर से लापता थे जिसके बाद पुलिस उनकी लगातार तलाश कर रही थी। प्राप्त जानकारी अनुसार बताया जा रहा है कि सहायक प्रोफेसर पारिवारिक विवाद के चलते नाराज होकर घर नहीं पहुंचे थे ,उन्होंने अपने घर वालों को सबक सिखाने के उद्देश्य से अपनी बाइक बृजघाट के पास छोड़ दी थी और खुद गायब हो गए थे। शुक्रवार की दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में उनके लापता होने के बाद उनकी बाइक ब्रजघाट स्थित गेस्ट हाउस मार्ग पर खड़ी मिली थी, जानकारी मिलते ही गढ़ मुक्तेश्वर और गजरौला थाना पुलिस उनकी तलाश में जुट गई थी, जिसके बाद

पुलिस को उनकी आखिरी लोकेशन भी बृजघाट की मिली थी।

प्रोफेसर आकाश भारद्वाज मूल रूप से बुलंदशहर जनपद के शिकारपुर थाना क्षेत्र के मीरापुर बुवाईच गांव के निवासी हैं जो श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी में नौकरी करने के कारण यहां गजरौला की मानसरोवर कॉलोनी में निवास करते हैं ,परिजनों के अनुसार शुक्रवार को आकाश भारद्वाज यूनिवर्सिटी गए थे लेकिन शाम को घर नहीं लौटे थे ,चिंता होने पर परिजनों ने उनकी तलाश की लेकिन उनका कहीं पता नहीं चल सका ,जिसके बाद परिवार वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस की खोजबीन के मुताबिक उनकी लोकेशन ब्रजघाट में पाई गई। पुलिस की गहन तलाश के बाद शनिवार की रात रजबपुर थाना पुलिस ने उन्हें सकुशल बरामद कर लिया इसके बाद उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया।

दिल्ली पुलिस ने आतंकी मॉड्यूल का पदार्फाश करते हुए तीन को दबोचा; पंजाब, एमपी और यूपी से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान के कुख्यात गैंगस्टर शहजाद भट्टी गिरोह के तीन सदस्य को गिरफ्तार किया है। इन्हें पंजाब, मध्य प्रदेश और यूपी से गिरफ्तार किया गया है। शहजाद पहले पाकिस्तान का बड़ा गैंग्स्टर था लेकिन कई साल से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआईएस से जुड़कर उसने भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने लगा। भारत विरोधी गतिविधि में लिप्त होने के कारण शहजाद भट्टी को भारतीय सुरक्षा एजेंसियां गैंग्स्टर आतंकी गठजोड़ मानती है। बता दें कि शाहजाद पाकिस्तान में रहकर देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त है या किसी अन्य देश में रह रहा है, सुरक्षा एजेंसी को इसकी जानकारी नहीं है।

साउथ दिल्ली के आया नगर में अधेड़ की गोली मारकर हत्या, इलाके में फैली सनसनी

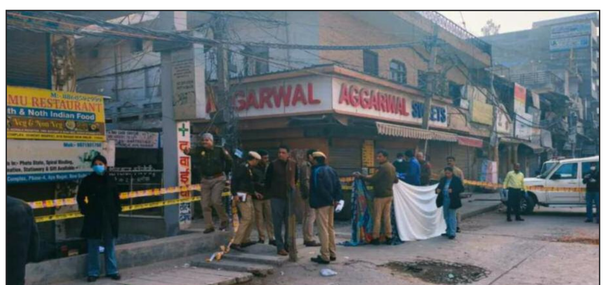

दक्षिणी दिल्ली। साउथ दिल्ली के फतेहपुर बेरी थाना क्षेत्र स्थित आया नगर में रविवार तड़के अधेड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल भेज दिया। आरोपित का पता लगाने के लिए आस-पास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक सुबह 6.25 बजे आया नगर में फायरिंग और एक व्यक्ति घायल होने की सूचना मिली। टीम मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति गोली लगने से मृत पड़ा था। मृतक की पहचान आया नगर निवासी 52 वर्षीय रतन के रूप में हुई है। हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। 15 मई को छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास हुई अरुण लोहिया की हत्या से जुड़ा कनेक्शन मृतक के भतीजे धर्मेंद्र के मुताबिक 30 से 40 राउंड फायर कर शरीर छलनी कर दिया गया है। पुलिस ने भी कई राउंड फायर की पुष्टि की है। हत्या के तार विगत 15 मई को छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास बीच रोड हुई अरुण लोहिया (24) की हत्या से जुड़ा है। अरुण भी आया नगर का ही रहने वाला था। रतन के बेटे दीपक से उसकी पुरानी रंजिश थी। अरुण की हत्या के मामले में फिलहाल वो जेल में बंद है। स्वजन का आरोप है कि बदला लेने के लिए अरुण के परिवार ने ही रतन की हत्या कराई है। भतीजे धर्मेंद्र के मुताबिक रतन आया नगर के बाबा मोहल्ले में रहते थे। शिवराज कॉलोनी में उनकी डेरी है। सुबह छह बजे वो डेरी जा रहे थे। कॉलोनी के मोड़ पर अग्रवाल स्वीट के पास पहले से घाट लगाए बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

सीआई एस एफ के हेड कॉन्स्टेबल ने नाबालिग को मारी गोली, शादी में पैसे लूटने को लेकर हुआ था विवाद

पूर्वी दिल्ली। एमएस पार्क इलाके में शनिवार रात को एक शादी समारोह के दौरान पैसे लूटने को लेकर विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि सीआईएसएफ के हेड कॉन्स्टेबल ने नाबालिग को गोली मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान साहिल (17) के रूप में हुई है। एमएस पार्क इलाके के सामुदायिक भवन में शनिवार रात एक शादी समारोह था। यहां घुड़चढ़ी के दौरान लोग नाच रहे थे, इसी दौरान उत्सव मातम में बदल गया। दिल्ली के सुल्तानपुरी से बरात आई थी। सामुदायिक भवन के पास ही थाना स्थित है। शादी में शामिल सीआईएसएफ के हेड कॉन्स्टेबल को पुलिस ने हिरासत में लिया। जान गंवाने वाले कि उम्र 17 वर्ष है। पुलिस ने हेड कॉन्स्टेबल के पास से पिस्टल बरामद की। आशंका है नाबालिग शादी में पैसे लूट रहा था। इसको लेकर उसका हेड कॉन्स्टेबल से विवाद हो गया। गुस्से में हेड कॉन्स्टेबल ने गोली मार दी। आरोपित का नाम मदन गोपाल तिवारी है, वह इटावा के भारताना गांव का रहने वाला है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

'पीएमएलए के तहत कुर्की से पहले आरोपपत्र अनिवार्य नहीं', ईडी की कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिकाएं दिल्ली एचसी से खारिज

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यवाही को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं को खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। अदालत ने कहा कि पीएमएलए के तहत कुर्की से पहले आरोपपत्र अनिवार्य नहीं है। अदालत ने कहा कि कंपनी अधिनियम- 2013 के तहत गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआइओ) को जांच का हस्तांतरण, मनी लांड्रिंग प्रिवेंशन एक्ट-2002 के तहत समानांतर कार्यवाही पर रोक नहीं लगाता है। अदालत ने यह भी कहा कि एसएफआइओ का अधिकार केवल कंपनी अधिनियम के तहत अपराधों तक ही सीमित है और यह अन्य एजेंसियों को अन्य कानूनों के तहत अलग-अलग अपराधों की जांच करने से नहीं रोकता है। अदालत ने यह टिप्पणी व्यापारियों द्वारा दायर विभिन्न याचिकाओं को खारिज करते हुए की। इनमें 6,000 करोड़ के विदेशी मुद्रा प्रेषण घोटाले से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी संपत्तियों की अस्थायी कुर्की को चुनौती दी गई थी।

15 दिनों में साफ हो जाएगी दिल्ली की हवा ! सीएम रेखा गुप्ता ने लिया एक्शन

नई दिल्ली। प्रदूषण से निपटने के लिए पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी) 13 पॉल्यूशन हॉटस्पॉट पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाएगा। इस स्कीम के तहत, 305 बिजली के खंभों पर यह सिस्टम लगाया जाएगा। पीडब्ल्यूडी ने सर्वे करके इन सिस्टम के लिए जगहों का चुनाव कर लिया है। डिपार्टमेंट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रोसेस आखिरी स्टेज में है। उम्मीद है कि यह फैसिलिटी अगले 15 से 20 दिनों में चालू हो जाएगी। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पॉल्यूशन हॉटस्पॉट पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाने का एलान किया था। दिल्ली में पॉल्यूशन कंट्रोल करने के

लिए कई तरह के एक्सपेरिमेंट चल रहे हैं। धूल के पॉल्यूशन से निपटने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए जा रहे हैं। पॉल्यूशन को रोकने के लिए भी कई तरह के उपाय किए जा रहे हैं। इसके बावजूद, दिल्ली के पॉल्यूशन लेवल पर कोई खास असर नहीं पड़ रहा है। कभी-कभी हवा पॉल्यूशन को उड़ा ले जाती है, लेकिन इसके अलावा, दिल्ली में सर्दियों में हर साल हालात और खराब हो जाते हैं। इन सबके बीच, पिछले दो सालों से दिल्ली में पॉल्यूशन कम करने के लिए एक

दिल्ली सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए सक्रिय है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) 13 प्रदूषण हॉटस्पॉट पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाएगा, जिसके लिए 305 बिजली के खंभों का चयन किया गया है। निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है और अगले 15-20 दिनों में यह सुविधा शुरू होने की उम्मीद है। पहले भी कई स्थानों पर ऐसे प्रयोग किए जा चुके हैं।

नया एक्सपेरिमेंट चल रहा है। बिजली के खंभों पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाया जा रहा है। यह सिस्टम पानी के कणों को बारीक कणों में तोड़कर स्प्रे के रूप में छोड़ता है। इस सिस्टम के तहत, बिजली के खंभों पर लगे पंप उनके चारों ओर पानी का स्प्रे करते हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन खंभों के आसपास प्रदूषण का स्तर कम हो गया है। नई दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल दो साल से अलग-अलग सड़कों पर इस सिस्टम का इस्तेमाल कर रही है। दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी ने भी द्वारका और दूसरे इलाकों में कई सड़कों पर इस टेक्नोलॉजी को लागू किया है। अब, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट भी इस सिस्टम को बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। इसे 13 बड़े प्रदूषण हॉटस्पॉट में लागू किया जाएगा। टेंडर प्रोसेस शुरू हो चुका है। जिन इलाकों में यह सिस्टम लगाया जाएगा, उनके आसपास व्यवस्था की जा रही है

और कई इलाकों में सेंट्रल वर्ज पर लगे पेड़ों की छंटाई की जा रही है। उम्मीद है कि यह सिस्टम अगले 15 से 20 दिनों में पूरी तरह से चालू हो जाएगा। इन इलाकों में मिस्ट स्प्रे लगाया जाएगा। इनमें द्वारका, जनकपुरी, नरेला, अशोक विहार, विवेक विहार, मुंडका, रोहिणी, वजीरपुर, ओखला, बवाना, आनंद विहार, पंजाबी बाग वेस्ट और आरके पुरम शामिल हैं।

सीपीडब्ल्यूडी के पूर्व एडीजी एमसीटी परेवा फिर बने आर्बिट्रेशन संस्थान के अध्यक्ष, हजारों करोड़ के विवाद सुलझाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। देश में जीडीपी के लगभग 17 परसेंट के बराबर प्रोजेक्ट्स विवादों में फंसे हुए हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल आर्बिट्रेशन (आईआइटीएआरबी) ने इन मुद्दों को सुलझाने का लक्ष्य रखा है। 2026 में एक इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की जा रही है, जिसमें सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के आर्बिट्रेशन एक्सपर्ट्स को बुलाया जाएगा। यह जानकारी सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के पूर्व एडिशनल डायरेक्टर जनरल एमसीटी परेवा ने दी, जिन्होंने दिल्ली पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट में लंबे समय तक काम

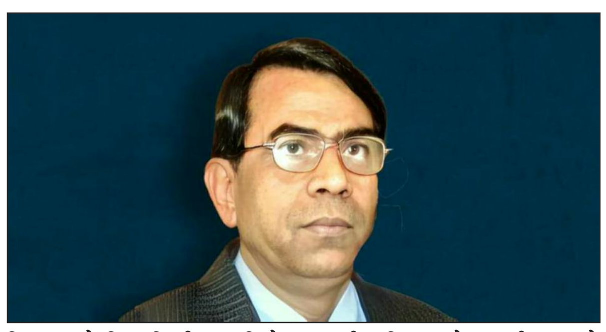

किया। उन्हें बिना किसी सहमति के फिर से आईआईटीएआरबी का चेयरमैन चुना गया है। उनके साथ, नीरज राजवंशी को सेक्रेटरी और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया के पूर्व एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर जी.एस. दुबे को ट्रेजरर चुना गया। आईआईटीएआरबी की 14वीं एनुअल जनरल मीटिंग के टर्म के लिए चुनाव राजधानी के इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स-इंडिया में हुआ। चुनाव की प्रक्रिया लगभग एक महीने तक चली और एनुअल मीटिंग में बिना किसी सहमति के चुनाव के साथ खत्म हुई। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल आर्बिट्रेशन, इंजीनियरों और आर्किटेक्ट्स के बीच कॉन्ट्रैक्ट के झगड़ों को सुलझाने के लिए आर्बिट्रेशन का एक तेज और सस्ता कानूनी ढांचा देने के लिए काम कर रहा है। परेवा ने कहा कि यह हजारों करोड़ रुपये के सरकारी प्रोजेक्ट्स पर झगड़ों के लॉजिकल और कानूनी समाधान के लिए एक काबिल फोरम है।

इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (जीजीएसआईपीयू) के मुख्य ऑडिटोरियम में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विसेज ने तुरंत बड़ा दस्ता मौके पर रवाना किया। आग लगने की सूचना सुबह करीब 10:42 बजे द्वारका सेक्टर-16 स्थित यूनिवर्सिटी कैंपस से मिली। दिल्ली फायर सर्विसेज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मौके पर तुरंत दो वॉटर टेंडर, तीन वॉटर बाउजर, एक स्काईलिफ्ट और एक क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल (क्यूआरवी) भेजी गई। फायर ब्रिगेड की टीमों ने करीब 38 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह 11:20 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इसके बाद कूलिंग ऑपरेशन शुरू किया गया जो देर तक चलता रहा। अधिकारी ने बताया कि अभी तक आग लगने के सटीक कारण का पता नहीं चल सका है और इसकी जांच की जा रही है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत या घायल होने की कोई सूचना नहीं है।

लाल किले हमले से लव जिहाद तक. कट्टरपंथियों की खतरनाक साजिश को बेनकाब करेंगी 12 पीड़िताएं

नई दिल्ली। भारत और दुनिया भर के कई देश कट्टरपंथी इस्लामी जिहाद की साजिश का शिकार हैं। अलग-अलग आतंकवादी काम किए जा रहे हैं। इसके अलावा, इलाके के डेमोग्राफिक्स को बदलने और मुस्लिम आबादी बढ़ाने की साजिशें रची जा रही हैं, ताकि उन पर शरिया कानून के हिसाब से राज किया जा सके। चिंता की बात यह है कि इस मामले में सिर्फ मदरसों में पढ़े-लिखे लोग ही नहीं, बल्कि डॉक्टर और इंजीनियर जैसे बहुत पढ़े-लिखे मुसलमान भी इस साजिश में शामिल हो गए हैं। इसका सबसे नया उदाहरण लाल किले के सामने हुआ आतंकवादी हमला है, जिसमें कई डॉक्टर साजिश में शामिल थे। यहां तक कि खुद को उड़ाने वाला उमर भी एक डॉक्टर था। देश और दुनिया भर में लव जिहाद के रूप में ऐसी

ही साजिश की जा रही है, जिसमें लड़के साजिश या धोखे से अपनी पहचान छिपाकर, दूसरे धर्मों के नकली नामों का इस्तेमाल करके, दूसरे धर्मों की लड़कियों को बहला-फुसलाकर ले जाते हैं और फिर उन्हें इस्लाम कबूल करने के लिए मजबूर करते हैं। इससे देश में हजारों हिंदू लड़कियों की जिंदगी नरक बन गई है। देश में पहली बार ऐसा इवेंट हो रहा है जैसा पहले कभी नहीं हुआ। आज कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लव जिहाद की शिकार लड़कियां अपनी कहानियां डिटेल में बताएंगी और इसके तरीकों का खुलासा करेंगी। इस खास इवेंट में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के स्टेट प्रेसिडेंट कपिल खन्ना खास तौर पर शामिल होंगे। उनके साथ लव जिहाद की शिकार लड़कियों को बचाने वाले लोग भी होंगे। बड़ी संख्या में हिंदू लड़कियां भी हिस्सा लेंगी। विहिप दिल्ली के मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि 12 लड़कियां, खासकर केरल की, जो लव जिहाद की शिकार हुई हैं, अपनी कहानियां डिटेल में बताएंगी, ताकि हर कोई इस साजिश के बारे में जान सके और समय रहते अपनी बेटियों को बचा सके। दिल्ली NCR की चार और पीड़ित भी इस इवेंट में मौजूद रहेंगी, जो अपनी कहानियां डिटेल में बताएंगी।

यह पता है कि केरल भारत में लव जिहाद का सेंटर है, जहां हजारों लड़कियों को बहला-फुसलाकर इस्लाम कबूल करवाया गया है और फिर उन्हें इस्लामिक देशों में ट्रैफिकिंग के लिए भेज दिया गया है। सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह इवेंट ऐतिहासिक होगा क्योंकि इसमें दिल्ली के कॉलेजों की सैकड़ों युवतियां भी मौजूद रहेंगी, जो पीड़ितों की कहानियां सुनकर जागरूक होंगी।

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव आज: 7 लाख वोटर करेंगे 53 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एमसीडी की 12 सीटों पर उप चुनाव रविवार को होगा। सुबह साढ़े सात बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। 12 सीटों पर 53 प्रत्याशियों के भाग्य का निर्णय करीब सात लाख मतदाता करेंगे। 143 स्थानों पर बने 580 मतदान केंद्रों पर मतदान की प्रक्रिया होगी। इसमें 24 स्थानों पर 109 मतदान केंद्र संवेदनशील हैं। जहां पर अतिरिक्त सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। वैसे इस चुनाव में 2265 पुलिस कर्मी, 580 होम गार्ड और13 कंपनी सीएपीएफ की तैनात रहेगी। दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने हर वोट को अनमोल का नारा देकर संबंधित वार्ड के मतदाताओं ने बढ़चढ़कर मतदान में हिस्सा लेने की अपील की है। चुनाव आयुक्त विजय देव ने मतदाताओं ने अपील की है कि मतदान में हिस्सा लें और लोकतंत्र के पर्व को मनाए। दिल्ली में राज्य चुनाव आयोग के अनुसार हर वार्ड में एक पिंक बूथ और एक माडल बूथ बनाया गया है। साथ ही मतदान केंद्रों पर नागरिकों की सुविधा के लिए मतदान केद्रों पर मोबाइल रखने का स्थान भी बनेगा। जहां पर मोबाइल जमा करने पर टोकन मिलेगा। मतदान करने के बाद इसे नागरिक टोकन देकर मोबाइल वापस ले सकेंगे। साथ ही, मतदान की जानकारी हर मतदाता तक पहुंचे इसके लिए आयोग द्वारा 10 वार्डों में 99 से 100 प्रतिशत तक मतदाताओं को मतदान की पर्ची पहुंचा दी गई है। वजीरपुर और राजेंद्र नगर में भी पर्ची पहुंचाने का अभियान रात तक जारी रहा। आयोग के अनुसार, मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) मौजूद रहेंगे। जहां पर पर्ची नहीं आई है वहां से भी मतदाता पर्ची ले सकेंगे। इसके अलावा हर मतदान केंद्र पर सेल्फी प्वाइंट और फीडबैक की सुविधा क्यू आर कोड के माध्यम से देने की सुविधा दी है। इसके साथ ही मतदान केंद्रों पर लाइन या भीड़ की स्थिति जानने के लिए नागरिक निगम चुनाव दिल्ली एप से इसकी जानकारी ले सकेंगे। अधिकारी ने आगे कहा कि चूंकि 12 ही सीटों पर मतदान होना है इसलिए एक दिन पूर्व पोलिंग पार्टी के पहुंचने की जरुरत नहीं है। ऐसे में पोलिंग पार्टियों को सुबह ही पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। तड़के तीन से चार बजे तक पोलिंग पार्टियों को ईवीएम उपलब्ध करा दी जाएगी।

दिल्ली के वसंत कुंज में बीएमडब्ल्यू कार ने 3 लोगों को कुचला, एक की मौत

दक्षिणी दिल्ली। नेल्सन मंडेला मार्ग पर वसंत कुंज से जाने वाली लेन पर एंबियंस मॉल के सामने तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी। घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो घायलों को एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। आरोपित कार चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में दिल्ली पुलिस ने कहा, "वसंत कुंज थाना क्षेत्र में रात करीब 2:33 बजे एक रोड एक्सीडेंट की पीसीआर कॉल मिली। मौके पर पहुंचने पर, एक मर्सिडीज जी63

एक्सीडेंटल हालत में मिली और तीन घायल लोग मिले। घायलों की उम्र 23, 35, और 23 साल है। तीनों घायलों को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां मेडिकल जांच के दौरान, रोहित को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दो का अभी इलाज चल रहा है। रोहित उत्तराखंड के चमोली जिले का रहने वाला था। ड्राइवर की पहचान शिवम (29 साल) के तौर पर हुई है, जो दिल्ली के करोल बाग का रहने वाला है, उसे पकड़ लिया गया है। घटना के समय, वह अपनी पत्नी और बड़े भाई के साथ गाड़ी चला रहा था। शुरूआती जांच के मुताबिक, गाड़ी का बैलेंस बिगड़ गया, जिससे कार एक पोल से टकरा गई, जहां तीनों पीड़ित एक ऑटो स्टैंड पर खड़े थे। बताया जा रहा है कि आरोपी एक शादी में शामिल होने के बाद घर लौट रहा था। कार शिवम के दोस्त अभिषेक की है। ड्राइवर नशे में था या नहीं, अब तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। मामले में जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मृतक रोहित के रिश्तेदार हेमंत बिष्ट ने कहा, "वह एंबियंस मॉल में काम कर रहा था और सुबह करीब 2.30 बजे घर लौट रहा था।

कनॉट प्लेस को सबसे साफ बनाने का दावा, 'दिल्ली का दिल' अभी भी पीक से लाल

नई दिल्ली। दिल्ली के दिल, कनॉट प्लेस को सबसे साफ और सबसे व्यवस्थित कमर्शियल सेंटर बनाने के मकसद से एनडीएमसी के चल रहे खास सफाई अभियान से कुछ इलाकों में हालात सुधरे हैं, जबकि कई इलाके अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हैं। इस रोजाना चलने वाले अभियान का मकसद सीपी के अंदरूनी और बाहरी सर्किल, गलियों, पार्कों और बाजार वाले इलाकों को पूरी तरह से कचरा-मुक्त, धूल-मुक्त और साफ रखना है। अधिकारियों का दावा है कि सफाई सिस्टम को मजबूत किया गया है और हजारों आने-जाने वालों को बेहतर माहौल देने के लिए टीमों की तैनाती बढ़ाई गई है। इसके बावजूद, कई इलाकों में गंदगी आसानी से दिख जाती है। दैनिक जागरण की जांच में पता चला कि एनडीएमसी की टीमें रोजाना सफाई कर रही हैं, लेकिन कुछ इलाकों में लोगों की लापरवाही अभियान की रफ़्तार को धीमा कर रही है। कनॉट प्लेस के बाहरी सर्किल के कई हिस्सों में दीवारों पर गुटखे और पान की पीक के निशान साफ दिख रहे थे। इसके

अलावा, कुछ गलियों में कचरे के छोटे-छोटे ढेर मिले, जिससे पता चलता है कि कचरा तय कूड़ेदानों में डालने के बजाय सड़क किनारे फेंका जा रहा है। यह गंदगी सीपी के एफ ब्लॉक और एच ब्लॉक में सबसे ज्यादा दिखी। इसके अलावा, दूसरे ब्लॉक में भी गंदगी बनी हुई है। कई दुकानदारों और आने वालों के खुले में कचरा फेंकने की वजह से बदबू और गंदगी की समस्या बनी हुई है। कॉनॉट प्लेस में शॉपिंग करने आईं आयुषी सिंह ने कहा कि रेगुलर सफाई के साथ-साथ लोगों में जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है, ताकि प्रशासन और जनता दोनों सफाई बनाए रखने में बराबर का हिस्सा ले सकें। अधिकारियों ने बताया कि इस कैंपेन का मुख्य मकसद कॉनॉट प्लेस को देश के सबसे साफ कमर्शियल सेंटर में से एक बनाना है। इसके लिए सफाई कर्मचारियों की शिफ्ट बढ़ाई गई हैं, मैकेनिकल स्वीपिंग की सुविधा शुरू की गई है और मार्केट एरिया में और डस्टबिन लगाए गए हैं।

इसके बावजूद, लोगों के सहयोग की कमी से सफाई सिस्टम पर असर पड़ रहा है। एनडीएमसी के मुताबिक, कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। कूड़ा फेंकने वालों पर रेगुलर जुर्माना लगाया जा रहा है। आने वाले दिनों में पान की पीक साफ करने का कैंपेन भी और तेजी से चलाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गिनी बिसाऊ में इलिडियो विएरा नए प्रधानमंत्री

बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश- गिनी-बिसाऊ में हालिया चुनाव के कुछ दिनों के भीतर ही तख्तापलट के बाद सेना ने शुक्रवार को इलिडियो विएरा ते को नया प्रधानमंत्री नियुक्त नियुक्त किया है। विएरा ते हटाए गए राष्ट्रपति उमारो सिस्सोको एम्बालो के करीबी सहयोगी हैं। उन्होंने रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उनके कैंपेन डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। देश के नए मिलिट्री लीडर जनरल होर्ता इंटा-आ ने एक आदेश कर उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त करने की घोषणा की है। गौरतलब है कि, बुधवार को राष्ट्रीय चुनावों के तीन दिन बाद सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था। अपदस्थ राष्ट्रपति उमारो सिस्सोको एम्बालो पड़ोसी सेनेगल चले गए हैं। इस बीच, विपक्ष ने कहा कि चुनाव में हार से बचने के लिए एम्बालो ने तख्तापलट की साजिश रची थी। सेना के जरिये कर्फ्यू हटाए जाने के बाद राजधानी बिसाऊ में शांति लौट आई है। लोग और गाड़ियां शहर की सड़कों पर घूम रही हैं। मुख्य स्टॉक एक्सचेंज और बाहरी जिलों के बाजार, बैंक भी फिर से खुल गए हैं। गिनी-बिसाऊ दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है।

ब्रिटेन में कुल प्रवासन घटकर 2.04 लाख पर पहुंचा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में कुल प्रवासन जून 2025 तक तेजी से घटकर 2,04,000 रह गया है। देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) के अनुसार यह गिरावट मुख्यत: नए अप्रवासियों में कमी और देश छोड़ने वालों की संख्या में हल्की बढ़ोतरी के कारण हुई। जून 2023 में कुल प्रवासन 9.06 लाख के उच्च स्तर पर था। रिपोर्ट में बताया गया कि जून 2025 तक ईयू और यूके दोनों नागरिक समूहों में शुद्ध बाहर जाने वालों की संख्या अधिक रही। इनमें देश छोड़ने वाले अधिकांश ब्रिटिश नागरिक 35 वर्ष से कम आयु के थे।

गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ वापस ली शिकायत

लंदन, एजेंसी। गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड व्यवसाय के खिलाफ दायर अपनी यूरोपीय यूनियन से प्रतिस्पर्धा रोधी शिकायत वापस ले ली है। यह कदम ऐसे समय आया है, जब यूरोपीय आयोग ने हाल ही में क्लाउड सेक्टर में माइक्रोसॉफ्ट की जांच शुरू की है। गूगल ने पिछले साल आरोप लगाया था कि माइक्रोसॉफ्ट अपने एज्यूर प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को बांधकर प्रतिस्पर्धा घटा रहा है। क्लाउड बाजार में अमेजन 30 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर है, जबकि माइक्रोसॉफ्ट 20 फीसदी और गूगल 13 फीसदी पर है।

अफगान सरकार की ईंधन की खपत कम करने की अपील

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के काबुल में नगर पालिका ने सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए निवासियों से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि छोटे घरों में चलने वाले स्टोव व चूल्हे इसके प्रमुख स्रोत हैं। शहर में प्रदूषण पिछले साल की तुलना में अधिक दर्ज किया गया है, जिससे लोगों की सेहत पर असर पड़ रहा है। विशेषतौर से सुबह और शाम के समय धुआं व धूल आंखों व सांस लेने में परेशानी पैदा कर रहे हैं।

यूरोप और अमेरिका में बर्ड फ्लू के मामले बढ़े, 3 महीने में 1.6 करोड़ मुर्गियां मारी गईं

बर्लिन, एजेंसी। यूरोप और उत्तरी अमेरिका में बर्ड फ्लू (हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लुएंजा) तेजी से फैल रहा है। जंगली पक्षियों और मुर्गी फार्मों में तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। अमेरिका में 18 नवंबर तक 107 जगहों पर बर्ड फ्लू की पुष्टि हो चुकी है। बर्ड फ्लू के कारण सितंबर से अब तक अमेरिका और कनाडा में करीब 1 करोड़ 60 लाख मुर्गियां मारनी पड़ी हैं। सितंबर से नवंबर तक 26 यूरोपीय देशों में जंगली पक्षियों में 1,443 फ्लू के मामले दर्ज किए गए, जो पिछले साल से 4 गुना ज्यादा और 2016 के बाद सबसे अधिक है। जर्मनी में तीन साल में सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। वहीं, फ्रांस ने अक्टूबर में ही पूरे देश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया था।

श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वाह' : राहत कार्यों के लिए कोलंबो पहुंची एनडीआरएफ टीमें, ऑपरेशन सागर बंधु जारी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वाह' तबाही मचा रहा है। शनिवार को यह तूफान तमिलनाडु की तरफ बढ़ रहा है। चेन्नई के दक्षिण में चक्रवात दित्वाह 430 किलोमीटर की दूरी पर है। रविवार सुबह तक इसके उत्तरी तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तटवर्ती इलाकों में पहुंचने की आशंका है। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में यह चक्रवात बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

पाकिस्तान की चाल नाकाम, ऑक्सफोर्ड में बहस से भागकर भारतीयों पर आरोप, खुली पोल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में भारत और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों के बीच होने वाली एक बहस रद्द कर दी गई है। इस बहस के रद्द होने का दुनिया के ज्यादातर लोगों को कोई पता नहीं चला। लेकिन झूठे पाकिस्तान को यह कहां बर्दाश्त था। भारत के खिलाफ मिली हर हार को अपनी जीत बनाकर पेश करने वाले पाकिस्तान ने यहाँ पर भी बहस से भागकर इसे जीत बनाने की कोशिश करनी शुरू कर दी। ब्रिटेन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग ने ट्वीट करके दावा किया कि ऑक्सफोर्ड में होने वाली बहस से भारतीय प्रतिनिधि पीछे हट गए हैं। बाद में भारतीय सुप्रीम कोर्ट के वकील जे साईं दीपक ने पाकिस्तान के इस झूठ का सबूतों के साथ पर्दाफाश कर दिया। पाकिस्तानी उच्चायोग की तरफ से ट्वीट करके कहा गया कि ऑक्सफोर्ट यूनिवर्सिटी में 'भारत की पाकिस्तान नीति एक सुरक्षा नीति के रूप में बेची गई जनप्रिय रणनीति है।' नामक शीर्षक पर बहस होनी थी, लेकिन भारतीय वक्ता अंतिम समय पर इस बहस से पीछे हट गए। पाकिस्तानी उच्चायोग ने इस बहस के लिए भारत की तरफ से जिन वक्ताओं के नाम बताए उनमें पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाणे, सुब्रमण्यम स्वामी और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का नाम था। वहीं, पाकिस्तान की तरफ से पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार, ब्रिटेन में पाकिस्तान के उच्चायुक्त मोहम्मद फैसल और पाकिस्तानी सेना के पूर्व जनरल जुबैर महमूद हयात शामिल थे।

जे साईं दीपक ने खोली पोल : पाकिस्तान के ब्रिटेन स्थित हाईकमीशन द्वारा फैलाए जा रहा यह झूठ जब तक दुनिया तक पहुंचता उससे पहले भी भारतीय सुप्रीम कोर्ट के वकील जे साईं दीपक ने इसकी बखियां उधेड़ दीं। उन्होंने पाकिस्तानी दावों का खंडन सबूतों के साथ किया। उन्होंने कहा ऑक्सफोर्ड द्वारा भेजी गई अपनी भागीदारी की पुष्टि वाली ईमेल को भी साझा करते हुए लिका कि उनके साथ पूर्व सेना प्रमुख नरवाने और स्वामी भी भारतीय पक्ष की तरफ से वक्ता थे। उन्होंने लिखा, 'पाकिस्तानी लोग ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को भी गड़बड़ कर देते हैं और हमेशा की तरह इस बार भी वह सच बोलने की ताकत नहीं रखते। दीपक ने कहा, 'इस ईमेल के बाद यूनिवर्सिटी की तरफ से बताया गया कि नरवाने और स्वामी इस कार्यक्रम में नहीं आ सकते हैं। उन्होंने मुझसे कोई नए नाम भेजने के लिए कहा। लेकिन जब तक मैं विकल्प भेज पाता उससे पहले ही मुझे बताया गया कि इस बहस के लिए सुहेल सेठ और राज्य सभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी से संपर्क किया गया है और उन्होंने शामिल होना स्वीकार किया है। मुझे लगा की ठीक है मामला खत्म हुआ। लेकिन इसके बाद मुझे बताया गया कि दोनों ने एक दम से नोटिस देने की वजह से इस कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया है। '

प्रियंका चतुर्वेदी ने भी की पुष्टि : प्रियंका चतुर्वेदी ने भी सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें जुलाई में ही इसका आमंत्रण मिल गया था लेकिन उसके बाद कोई संपर्क नहीं किया गया। इसलिए मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। लेकिन हाल ही में एक दम उनका फोन आया। इसलिए उन्होंने इनकार कर दिया। दीपक अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि इसके बाद भी अंतिम समय पर मैं लंदन पहुंच कर बहस में शामिल होने के लिए तैयार था। यहां पर उन्होंने मनु खजूरिया और पंडित सतीश शर्मा के साथ मिलकर एक टीम भी तैयार कर ली। लेकिन बहस के तीन घंटे पहले उन्हें बताया गया कि बहस रद्द कर दी गई है क्योंकि पाकिस्तानी दल लंदन पहुंचा ही नहीं है। दीपक ने लिखा, 'इस बात में मैं गुस्सा था, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगी थी।' इतना ही नहीं दीपक ने सबूत के तौर पर इस पूरी बहस के आयोजक मूसा हरराज की कॉल लॉग भी साझा की।

पाकिस्तान को दी चुनौती : इसके बाद दीपक ने पाकिस्तान की पोल खोलते हुए लिखा कि बाद में मुझे पता चला कि इस बहस के आयोजक मूसा हरराज, जिनके पिता पाकिस्तान में मंत्री हैं। उन्होंने इस पूरी झूठी कहानी को गढ़ा है। पाकिस्तान की टीम लंदन में ही मौजूद थी। लेकिन बहस नहीं करना चाहती थी। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान की टीम तैयारी के साथ है तो फिर बहस के लिए सामने आ जाए। उन्हें इसमें आतंकियों की तरह छिपने की जरूरत नहीं है। डिबेट से तीन घंटे पहले पाकिस्तानी स्पीकर के नहीं आने की जानकारी मिली इसके बाद साई दीपक खुद ब्रिटेन पहुंचे और आखिरी मौके पर ब्रिटेन में रहने वाले दो भारतीय मूल के स्पीकर मनु खजूरिया और पंडित सतीश शर्मा को टीम में शामिल कर लिया। यानी भारतीय टीम पूरी तरह तैयार थी।

मौत और तबाही लेकर आया चक्रवाती तूफान सेन्यार, इन देशों में मरने वालों का आंकड़ा 300 के पार

जकार्ता, एजेंसी। चक्रवाती तूफान सेन्यार ने कमजोर होने से पहले इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों में भारी तबाही मचाई है। बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से मरने वालों का आंकड़ा 300 तक पहुंच गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि इंडोनेशिया के सुमात्रा आइलैंड पर अचानक आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 174 हो गई। वहीं दर्जनों लोग अभी भी लापता हैं। इस बीच शुक्रवार को दक्षिणी थाईलैंड में आई भारी बाढ़ में कम से कम 145 लोगों की मौत हो गई है। इंडोनेशिया की मौसम संबंधी एजेंसी ने बताया है कि चक्रवाती तूफान दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों को कई दिनों तक प्रभावित कर सकता है। एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि मलक्का स्ट्रेट में बना ट्रॉपिकल साइक्लोन सेन्यार खराब मौसम की वजह बन रहा है। उन्होंने कहा है कि खराब मौसम संबंधी चेतावनी बढ़ा दी है। तूफान के बाद आए मूसलाधार बारिश और बाढ़ की वजह से नॉर्थ सुमात्रा प्रांत में 3,200 से ज़्यादा घर और इमारतें डूब गई हैं। हजारों लोगों को सरकारी राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है। वहीं वेस्ट सुमात्रा में, 17,000 से ज्यादा घर डूब गए, और लगभग 23,000 लोगों को टेम्पररी शेल्टर में ले जाया गया है। इस बीच खराब मौसम की वजह से बचाव कार्य में भी मुश्किलें आ रही हैं। नॉर्थ सुमात्रा रीजनल पुलिस के स्पोक्सपर्सन फेरी वुलंटुकन ने बताया है कि मिट्टी धंसने, बिजली ना होने और टेलीकम्युनिकेशन की बाधा की वजह से सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में रुकावट आ रही है। थाईलैंड में भी बाढ़ ने भीषण तबाही मचाई है। पानी कम होने पर रेस्क्यू टीमें पहले डूबे हुए इलाकों में पहुंच रही हैं, जिससे बड़े पैमाने पर तबाही नजर आ रही है। 12 दक्षिणी प्रांतों में 1.2 मिलियन से ज्यादा घर और 36 लाख लोग लगातार भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। वहीं बाढ़ और भूस्खलन की वजह से क्षतिग्रस्त सड़कों और संचार लाइनों के कारण कई इलाके बड़े पैमाने पर कट गए हैं। उत्तरी सुमात्रा प्रांत के मध्य टापानुली जिले और क्षेत्र के अन्य जिलों में राहत विमान की मदद से सहायता और आपूर्ति पहुंचाया जा रहा है। उत्तरी सुमात्रा पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार सड़कों, बिजली और फोन नेटवर्क के पूरी तरह बंद होने के कारण बचाव दलों को बड़ी परेशानी हो रही है।

अमेरिका ने अफगानियों को वीजा जारी करने पर लगाई रोक, वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी के बाद ट्रंप सरकार का फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना के बाद शुक्रवार से अप्रवासियों के खिलाफ जांच तेज और सघन कर दी है। साथ ही अमेरिकी विदेश विभाग ने अफगान नागरिकों के लिए वीजा जारी करने पर भी रोक लगा दी है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में लिखा कि 'राष्ट्रपति ट्रंप के विदेश विभाग ने अफगानिस्तान के सभी लोगों को वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है। '

अमेरिकी अप्रवासन विभाग ने जारी किए निर्देश : विदेश विभाग के फैसले के बाद अमेरिकी सरकार ने देशभर में सभी शरण संबंधी फैसलों को भी तुरंत प्रभाव से रोक दिया है। बीते बुधवार को अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में बेहद सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में हुई गोलीबारी के बाद ट्रंप प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है। इस गोलीबारी में नेशनल गार्ड्स की एक महिला सैनिक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल है। इससे पहले अमेरिका के अप्रवासन विभाग के निदेशक जोसेफ एल्डो ने भी पुष्टि की थी कि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले आदेश तक अफगानिस्तान के नागरिकों को वीजा जारी न करें। यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक अमेरिकी सरकार अमेरिका में मौजूद हर अफगान नागरिक की पूरी तरह से सुरक्षा जांच नहीं कर लेती।

ग्रीन कार्ड धारकों के दस्तावेजों की भी जांच के आदेश : वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी के आरोपी की पहचान अफगान मूल के रहमानुल्ला लकनवाल के रूप में हुई थी, जो साल 2021 में अमेरिका आया था। रहमानुल्ला को इसी साल अमेरिका में शरण दी गई थी। गोलीबारी की घटना से नाराज राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रंप प्रशासन ने 19 देशों के ग्रीन कार्ड धारकों के दस्तावेजों की सघन जांच का भी आदेश दिया है। ट्रंप सरकार के इस फैसले से ग्रीन कार्ड धारकों में डर का माहौल पैदा हो गया है। जिन 19 देशों के ग्रीन कार्ड होल्डर्स के दस्तावेजों की जांच का फैसला किया गया है, उनमें अफगानिस्तान, बर्मा, चाड, कांगो गणतंत्र, इक्वेटोरियल गिनी, एरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, यमन, बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला का नाम शामिल है।

ट्रंप के 'शांति सूत्रधार' डैन ड्रिस्कॉल: सबसे युवा आर्मी सेक्रेटरी, रूस-यूक्रेन प्रस्ताव के मुख्य वास्तुकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। नॉर्थ कैरोलिना की ब्लू रिज पर्वत श्रृंखला अपनी धुंध भरी सुबहों, सरसराते चीड़ के जंगलों और धीमी रफ्तार से चलने वाले छोटे-छोटे कस्बों के लिए मशहूर है। इन्हीं शांत पहाड़ियों के बीच बसे एक छोटे-से शहर बैनर एल्क में एक लड़का पला-बढ़ा था। वह बोलने से ज्यादा देखने-समझने में विश्वास रखता था। पर उसके अंदर एक अनोखी स्पष्टता थी। जहां बाकी बच्चे खेल, फिल्मों या रोमांच की बातें करते थे, वहीं उसने बचपन से ही फौज में शामिल होकर देश की सेवा करने का सपना संजो लिया था। उसके शिक्षक अक्सर उसके धैर्य, सूझ-बूझ वाले सवालों और काम खत्म करने की तेजी से प्रभावित होते थे। आगे चलकर वह लड़का न सिर्फ सबसे कम उम्र का अमेरिका का आर्मी सेक्रेटरी बना, बल्कि वर्तमान में दुनिया की सबसे जटिल राजनीतिक और सैन्य चर्चा के केंद्र में भी है। ये हैं डैनियल 'डैन' पैट्रिक ड्रिस्कॉल, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति का ड्रोन मैन भी कहा जाता है। फिलवक्त, वह कीव और मॉस्को के बीच ट्रंप के शांति प्रस्ताव के वास्तुकार बनने की वजह से सुर्खियों में हैं।

शुरुआत और परिवार : ड्रिस्कॉल का नॉर्थ कैरोलिना से गहरा नाता है, जहां दुनिया के सबसे बड़े मिलिट्री ठिकानों में से एक फोर्ट ब्रैग समेत दस और मिलिट्री ठिकाने हैं। उन्होंने बैनर एल्क की पहाड़ियों में अपना बचपन बिताया। ड्रिस्कॉल अपने परिवार में तीसरी पीढ़ी के सैनिक हैं। उनके पिता वियतनाम युद्ध में शामिल थे, जबकि दादा द्वितीय विश्वयुद्ध में आर्मी डिकोडर रहे थे। उनकी मां गृहिणी थीं। ड्रिस्कॉल ने अपनी स्कूली शिक्षा वाटौगा हाई स्कूल से पूरी की। सेना में जल्दी शामिल होने की चाह थी, इसलिए उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चैपल हिल से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री सिर्फ तीन साल में हासिल कर ली। उन्होंने प्रतिष्ठित येल लॉ स्कूल से ज्यूरिस डॉक्टर की डिग्री भी हासिल की है। कॉलेज के दिनों में ही उन्होंने येल के वेटरंस लीगल सर्विसेज क्लिनिक में भी काम किया, सीनेट कमेटी ऑन वेटरंस अफेअर्स व नाइंथ सर्किट के चीफ जज एलेक्स कोजिंस्की के लिए इंटर्नशिप की। ड्रिस्कॉल ने अपनी हाई स्कूल की दोस्त, कैसी ड्रिस्कॉल से शादी की है, जो एक प्लास्टिक सर्जन हैं। इस दंपती के दो बच्चे, डैनियल जूनियर और लीला, हैं।

ट्रंप के भरोसेमंद : अपने ज्यादातर कॅरिअर में, डैन ड्रिस्कॉल ने निजी क्षेत्रों में काम किया। तकनीकी और साइबर सुरक्षा फर्मों में वरिष्ठ पेशेवर के तौर पर उन्होंने न केवल डाटा स्ट्रेटजी और कॉरपोरेट रिस्क असेसमेंट में काम किया, बल्कि क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन जैसे संवेदनशील विषयों को भी बड़े कौशल के साथ संभाला। वह 20 करोड़ डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में भी काम कर चुके हैं। ड्रिस्कॉल सबसे नाजुक मुद्दों को भी बिना किसी हंगामे के शांत और असरदार ढंग से हल करने में माहिर हैं। उनकी इसी क्षमता ने राष्ट्रपति ट्रंप का भरोसा जीत लिया।

ट्रंप की पहल से रुकेगा एक और संघर्ष, अफ्रीकी देश अमेरिका में शांति समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक और संघर्ष विराम कराने जा रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अफ्रीकी देश कांगो और रवांडा के राष्ट्रपति अमेरिका में 4 दिसंबर को मिलेंगे और शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। दोनों देशों के बीच संघर्ष रुकवाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन द्वारा कई महीनों से बातचीत की जा रही थी। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स शीसेकेडी ने बताया कि कांगो किसी भी शांति समझौते पर तभी हस्ताक्षर करेगा, जब इस बात की गारंटी मिले की रवांडा की सरकार एम23 विद्रोही संगठन को कोई समर्थन नहीं देगी।

पूर्वी कांगो में छिड़ा है संघर्ष : कांगो के राष्ट्रपति ने 4 दिसंबर को रवांडा के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि की है। वहीं रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे ने भी इसकी उम्मीद जताई। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि पूर्वी कांगो में शांति तभी संभव है, जब विवाद से सीधे तौर पर जुड़े लोग शांति के पक्ष में हों। पूर्वी कांगो में बीते कई महीनों से संघर्ष छिड़ा हुआ है। यह संघर्ष कांगो सरकार की सेना और 100 से ज्यादा विद्रोही संगठनों के बीच हो रहा है। इस विद्रोही संगठनों में सबसे ताकतवर एम23 समूह है, जिसे रवांडा की सरकार का समर्थन हासिल है। इस साल संघर्ष उस समय तेज हो गया, जब एम23 ने कांगो के दो बड़े शहरों गोमा और बुकावु पर कब्जा कर लिया।

रवांडा के सैनिक विद्रोही संगठन के साथ मिलकर पूर्वी कांगो में लड़ रहे : संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों का दावा है कि रवांडा की सेना के 3000-4000 जवान पूर्वा कांगो में मौजूद हैं और एम23 समूह के साथ मिलकर लड़ रहे हैं। हालांकि रवांडा ने इन दावों को खारिज कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि यह संघर्ष पूर्वी कांगो की खनिज संपदा और कथित तौर पर अपने-अपने इलाकों की रक्षा के लिए है। इससे पहले जून में भी कांगो और रवांडा के विदेश मंत्रियों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसमें रवांडा के सैनिकों की पूर्वी कांगो से वापसी की बात पर सहमति बनी थी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि वे आठ युद्ध रुकवा चुके हैं। इस सूची में कंबोडिया और थाईलैंड, सर्बिया, इस्राइल और ईरान, मिस्त्र और इथयोपिया, आर्मेनिया और अजरबैजान जैसे देशों का संघर्ष शामिल है। ट्रंप भारत और पाकिस्तान का संघर्ष रुकवाने का भी दावा करते हैं, लेकिन भारत ने ट्रंप के दावे को खारिज कर दिया है। बीते दिनों उन्होंने कहा कि आठ में से पांच युद्ध तो उन्होंने टैरिफ की धमकी देकर रुकवाए।

चिली में प्रवासियों के खिलाफ चल रहा अभियान, पलायन बढ़ते ही पेरू ने की सीमा पर आपातकाल के एलान की तैयारी

सैंटियागो, एजेंसी। पेरू के राष्ट्रपति जोस जेरी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार देश की दक्षिणी सीमा पर आपातकाल का एलान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इलाके में ज्यादा सशस्त्र बलों को तैनात करेगी, क्योंकि बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी चिली से उत्तर की ओर बढ़ रहे हैं, जहां अप्रवासी विरोधी भावनाएं बढ़ गई हैं। अपने देश में संकट से बचने या विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश में लाखों प्रवासी लंबे समय से महाद्वीप और पेरू की सीमा पार कर चिली में नया जीवन बसर करने के लिए आ रहे हैं, जो लैटिन अमेरिका के सबसे स्थिर और समृद्ध देशों में से एक है। चिली में कानूनी दर्जा न रखने वाले बहुत से लोग हैं, इनमें ज्यादातर वेनेजुएला के हैं। ये लोग हाल के वर्षो में अपने देश की आर्थिक बर्बादी और सत्तावादी शासन से बचकर भागे हैं। हालांकि, अब ये दूसरी दिशा में जा रहे हैं, क्योंकि चिली आव्रजन के खिलाफ अपना रुख सख्त करने की तैयारी कर रहा है। 14 दिसंबर को चिली में होने वाले राष्ट्रपति पद के दूसरे चरण के चुनाव में जीत के प्रबल दावेदार अति-रूढ़िवादी वकील जोस एंटोनियो कास्ट ने अपना अभियान वेनेजुएला से आने वाले अप्रवासियों और संगठित अपराध में वृद्धि को लेकर लोगों के डर के इर्द-गिर्द बुना है। उन्होंने पिछले हफ्ते पेरू से लगी चिली की रेगिस्तानी सीमा पर एक अभियान वीडियो फिल्माया, जिसमें बिना औपचारिक दर्जा वाले अप्रवासियों को चेतावनी दी गई है आपके पास अपनी इच्छा से चिली छोड़ने के लिए 111 दिन हैं। दिनों की यह मोहलत मौजूदा वामपंथी राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक के बाद नए प्रशासन के कार्यभार संभालने तक की है। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हम आपको रोकेंगे, आपको हिरासत में लेंगे, आपको निष्कासित कर देंगे। आप सिर्फ अपने तन पर पहने कपड़ों के साथ ही बाहर निकलेंगे।' जल्द ही पेरू का मीडिया उन प्रवासी परिवारों की तस्वीरों से भर गया जो चिली से पेरू की ओर भाग रहे थे, उनका सामान बैग और कचरे के थैलों में भरा हुआ था। कुछ ही दिनों के भीतर जारी ने सीमा नियंत्रण का निरीक्षण करने के लिए उसी क्षेत्र का दौरा किया और सुरक्षा अभियान को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बल भेजे। चिली के उत्तरी सीमावर्ती कस्बों के निवासियों ने बढ़ती अराजकता की सूचना दी है, क्योंकि चिली छोड़कर पेरू में प्रवेश की अनुमति न मिलने पर भी लोगों की भीड़ अनिश्चितता में फंसी हुई है। शुक्रवार को जारी ने क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा करने के लिए अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। इस बात का कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है कि कास्ट की सामूहिक निर्वासन की धमकियों और आव्रजन वकीलों के अनुसार, 18.5 मिलियन की आबादी वाले दक्षिण अमेरिकी देश में विदेशी लोगों के प्रति बढ़ती नफरत की पृष्ठभूमि में कितने लोगों ने चिली छोड़ने का फैसला किया है। शुक्रवार को कास्ट ने एक नया वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने अप्रवासियों के लिए अपनी चेतावनी दोहराई और बोरिक से दखल देने का आग्रह किया।

ट्रम्प ने बाइडेन के 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स रद्द किए:बोले- इन पर मशीन से दस्तखत थे, पूर्व राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं थी, इसलिए ये अवैध

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में जारी किए गए 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स को रद्द कर दिया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर इसकी जानकारी दी। ट्रम्प ने का दावा है कि ये सभी ऑटोपेन (मशीन से दस्तखत) से साइन किए गए थे, जो बिना बाइडेन की मंजूरी के अवैध हैं। इस कदम से बाइडेन के कई महत्वपूर्ण एक्जीक्यूटिव ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े नियम शामिल हैं। उन्होंने बाइडेन को 'स्लीपी (सुस्त) जो' और 'क्रुक्ड (चालाक) जो' कहते हुए धमकी दी कि अगर बाइडेन इन दस्तावेजों पर अपनी सहमति का दावा करेंगे तो उन पर 'झूठे बयान' के आरोप लगेंगे। ट्रम्प का यह फैसला व्हाइट हाउस के पास हुए नेशनल गार्ड्स पर हुए हमले के बाद आया है।

बाइडेन के कई एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर रद्द होने का खतरा : बाइडेन ने चार साल (2021-25) के कार्यकाल में कुल 162 एक्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किए, साथ ही सैकड़ों ज्ञापन और नोटिस भी साइन किए थे। ट्रम्प ने पद संभालने के बाद जनवरी में ही करीब 80 बाइडेन-युग के ऑर्डर रद्द कर दिए थे, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण ऑर्डर अभी भी लागू हैं। इनमें से कुछ अब रद्द होने के खतरे में हैं।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14087: अमेरिका में प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतें कम करने से जुड़ा। यह दवा कंपनियों पर नियंत्रण लगाता है, ताकि आम नागरिकों को

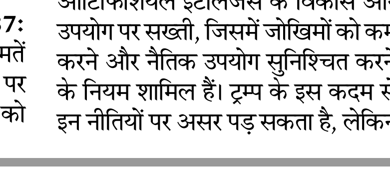

सस्ती दवाएं मिल सकें।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14096: पर्यावरणीय न्याय पर केंद्रित, जो गरीब और अल्पसंख्यक समुदायों को पर्यावरण प्रदूषण से बचाने के उपाय करता है।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14110: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और उपयोग पर सख्ती, जिसमें जोखिमों को कम करने और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करने के नियम शामिल हैं। ट्रम्प के इस कदम से इन नीतियों पर असर पड़ सकता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि सभी दस्तावेजों के हस्ताक्षरों की वैधता साबित करना मुश्किल होगा। अभी यह साफ नहीं है कि कौन इन साइन की जांच करेगा।

क्या ट्रम्प बाइडेन के आदेशों को रद्द कर सकते हैं : कार्यकारी आदेश अमेरिकी राष्ट्रपति के जारी किए गए ऑर्डर होते हैं, जो संघीय एजेंसियों को कानूनों को लागू करने या नीतियां बनाने में मदद करते हैं। अमेरिकी कानून के अनुसार, कोई भी राष्ट्रपति अपने पिछले राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेशों को रद्द, संशोधित या अमान्य कर सकता है। हालांकि, इसकी अपनी सीमाएं भी हैं। खासकर क्षमादान, माफी और सजा में कमी के मामलों में, जिन्हें एक बार दिए जाने के बाद वापस नहीं लिया जा सकता। ट्रम्प का मुख्य दावा ऑटोपेन पर आधारित है। वे कहते हैं कि बाइडेन के 92% आदेश ऑटोपेन से हस्ताक्षरित थे, जो बिडेन की मंजूरी के बिना अवैध हैं। लेकिन कानूनी रूप से, ऑटोपेन का उपयोग पूरी तरह वैध है। जस्टिस डिपार्टमेंट के ऑफिस ऑफ लीगल काउंसल ने 2005 में (जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के समय) कहा था कि राष्ट्रपति को बिल या आदेश साइन करने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने की जरूरत नहीं है, बशर्ते उनकी मंजूरी हो।

ट्रम्प ने बाइडेन पर झूठी गवाही का आरोप लगाने की धमकी दी : ट्रम्प ने बाइडेन पर परजरी (झूठी गवाही) का आरोप लगाने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर बाइडेन ने कहा कि उन्होंने ऑटोपेन वाले दस्तावेदो को खुद अप्रूव किया था, तो उन पर परजरी के आरोप लगेंगे।

विराट कोहली ने रचा इतिहास: एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एक बार फिर दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को रांची में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले ODI में अपना 52वां एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शतक जड़ दिया। यह शतक पुरुषों के क्रिकेट में 7000वां अंतर्राष्ट्रीय शतक भी है।

भारत ने सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (51 गेंदों पर 57 रन) को एक शानदार अर्धशतक के बाद खो दिया था। रोहित-कोहली की जोड़ी ने 109 गेंदों पर 136 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने भारत के लिए मजबूत आधार तैयार किया। रोहित ने अपनी पारी में तीन छक्के भी लगाए।

रोहित के आउट होने के बाद, भारत की पारी थोड़ी लड़खड़ाई, जब रुतुराज गायकवाड़ और वाशिंगटन सुंदर सस्ते में आउट हो गए। रन रेट धीमा हुआ और साउथ अफ्रीका ने वापसी की कोशिश की।

हालांकि, कोहली अडिग रहे। उन्होंने चुपचाप शुरुआत की, लेकिन फिर जरूरत पड़ने पर गियर बदला और एक-एक ईंट से

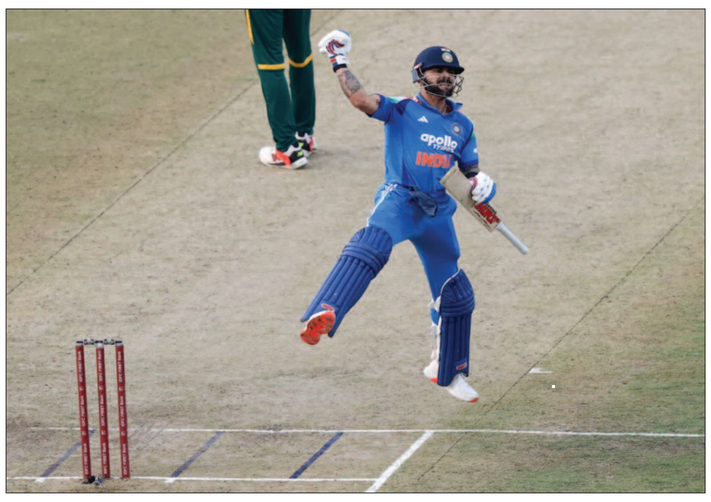

अपनी पारी को बनाया। यह शतक 38वें ओवर में आया, जब उन्होंने ऑलराउंडर मार्को जेनसन की गेंद को बेहतरीन तरीके से थर्ड मैन के ऊपर से गाइड किया।

गेंद बाउंड्री के पार चली गई और कोहली ने हवा में मुक्का मारते हुए ज़ोरदार जश्न मनाया। दूसरे छोर पर, केएल राहुल ने शांत रहकर स्ट्राइक रोटेट की और कोहली को चार्ज लेने दिया। ओवर बाकी रहने और बैटिंग लाइनअप में गहराई होने के साथ, भारत 300 से अधिक रन बनाने की अच्छी स्थिति में दिख रहा है।

रोहित और विराट सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली भारतीय जोड़ी बनी, तेंदुलकर और द्रविड़ को पीछे छोड़ा

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली ने यहां दक्षिण अफीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में उतरने ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। अब विराट और रोहित की जोड़ी भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक मैच खेलने वाली जोड़ी बन गयी है। इससे पहले ये रिकार्ड सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी के नाम था। अब रोहित और विराट ने एक साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 392 मैच खेले हैं। यह संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा खेले गए मैच हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी ने 391 मैच खेले हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने वाली तीसरी जोड़ी राहुल द्रविड़ और गांगुली की है। इस जोड़ी ने 369 मैच खेले हैं। इस मैच से भारतीय प्रशंसकों को रोहित और विराट की जोड़ी को लंबे समय बाद एक साथ घरेलू मैदान पर खेलते हुए देखने का अवसर मिला है। रोहित और विराटने भारत के लिए एक साथ अपना पहला मैच 18 अगस्त 2008 को खेला था। तब से लेकर इन दोनों ने जमकर रन बनाते हुए एक साथ मिलकर टीम इंडिया को कई मैच जिताए। येसीरीज इन दोनो का ही भविष्य तय करेगी।, टेस्ट और टी20 से रोहित-कोहली के संन्यास लेने से टीम प्रबंधन उन्हें अगले विश्व कप के लिए दावेदार नहीं मान रहा था, मगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इन दोनो ने ही जमकर रन बनाकर अपनी दावेदारी पेश की थी। अब देखना है कि दक्षिण अफीका के खिलाफ ये कितने सफल रहते हैं।

रोहित शर्मा वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले क्रिकेटर बने, दिग्गज पाकिस्तानी खिलाड़ी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क -टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। रोहित अब वनडे क्रिकेट में 352 छक्कों के साथ इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। रोहित को इस मैच से पहले ये रिकॉर्ड बनाने के लिए 3 छक्कों की जरूरत थी। रोहित ने इस मामले में पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़ दिया है जो इससे पहले वनडे इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के (351) मारने वाले खिलाड़ी थे।

रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी की। रोहित ने अपनी पारी के दौरान 51 गेंदों में 57 रन बनाए जिसमें 5 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

ODI में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप 5 खिलाड़ी

रोहित शर्मा - 352
शाहिद अफरीदी - 351
क्रिस गेल - 331
सनथ जयसूर्या - 270
महेंद्र सिंह धोनी - 229

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अभिषेक ने 12 गेंदों मे ही लगाया अर्धशतक

-सबसे तेज पचास रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बने

हैदराबाद (एजेंसी)। पंजाब की ओर से खेलते हुए बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 12 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। अधिषेक ने 425.00 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस युवा बल्लेबाज ने हैदराबाद में बंगाल के खिलाफ एलीट ग्रुप सी के मुकाबले में 12 गेंद में 5 चौके और 5 छक्के लगाकर सबको हैरान कर दिया।

पंजाब कप्तानी करते हुए अभिषेक ने बंगाल के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। पहले दो मैचों में वह रन नहीं बना पाये थे पर इस मैच में उन्होंने कोई गलती नहीं की। इस मैच में उन्होंने मोहम्मद शमी की गेंदों पर भी जमकर शॉट लगाये। अभिषेक का 12 गेंदों में लगाया अर्धशतक पुरुष टी20 क्रिकेट में संयुक्त रूप से तीसरा व किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। प्रभसिमरन सिंह के साथ पारी की शुरुआत करते हुए अभिषेक ने शमी और आकाश दीप की गेंदों को जमकर पीटा। उन्होंने साक्षम चौधरी और वृत्तिक चटर्जी के खिलाफ भी तेजी से रन बनाये।

टी20 में सबसे तेज अर्धशतक नेपाल के दिपेंद्र सिंह ऐरी ने सितंबर 2023 में हांगझो एशियन गेम्स के दौरान मंगोलिया के खिलाफ 10 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। वहीं भारत के अशुतोष शर्मा दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 2023-24 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रेलवे की ओर से खेलते हुए 11 गेंदों में ही पचास रन बना दिये। अब अभिषेक तीसरे नंबर पर आ गये हैं।

चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर घरेलू ड्यूटी पर अहमदाबाद में तैनात

अहमदाबाद (एजेंसी)। चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर 26 नवंबर से घरेलू ड्यूटी पर अहमदाबाद में तैनात हैं, जबकि भारतीय क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से घरेलू टेस्ट हार से अभी भी जूझ रहा है। सेलेक्टर्स के चेयरमैन, जिनकी अक्सर घरेलू सर्किट से ज़्यादा इंटरनेशनल गेम को प्राथमिकता देने के लिए आलोचना की जाती है, नेशनल टी20 चैंपियनशिप के ग्रुप डी मैचों की देखरेख कर रहे हैं जो अभी कई शहरों में फैले हुए हैं।

अगरकर की अगुवाई वाला पैनल घरेलू क्रिकेट से दूर रहने, खासकर व्हाइट-बॉल रिटर्न के आधार पर टेस्ट खिलाड़ियों को चुनने और स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों के बजाय ऑलराउंडरों को तरजीह देने के लिए जांच के दायरे में है। साई सुदर्शन और नीतीश रेड्डी के चयन ने ध्यान खींचा है, जबकि सरफराज खान, अभिमन्यु ईश्वरन और करुण नायर को बाहर रखने पर बहस जारी है। हालांकि चयन पांच सदस्यों वाली कमेटी का सामूहिक फैसला है, लेकिन

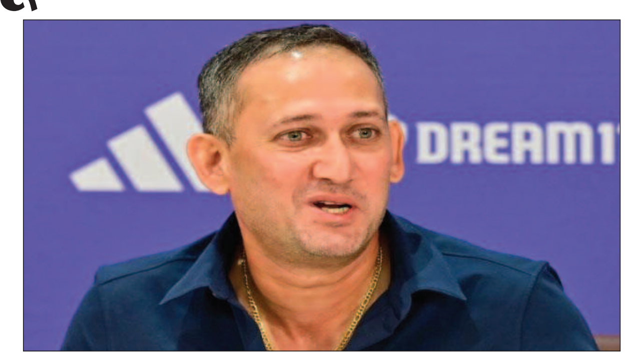

अगरकर की सबसे ज्यादा आलोचना विदेशी दौरों और इंटरनेशनल मैचों में उनकी लगातार मौजूदगी के कारण हुई है।

यह साफ नहीं है कि टेस्ट हार के बाद उनका मौजूदा घरेलू कार्यकाल बीसीसीआई के किसी निर्देश से जुड़ा है या नहीं, लेकिन अगरकर को पिछले कुछ दिनों में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में देखा गया है। दूसरे चयनकर्ताओं में, प्रज्ञान ओझा रविवार (30 नवंबर) से दक्षिण अफ्रीका में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा करने वाले हैं, जबकि एसएस दास (कोलकाता), आरपी सिंह (लखनऊ) और अजय रात्रा (हैदराबाद) सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी ड्यूटी पर हैं।

टेस्ट सीरीज में हार के बाद रेड-बॉल क्रिकेट को लेकर भी बड़ी चर्चाएं शुरू हो गई हैं जिसमें यह भी शामिल है कि क्या इस फॉर्मेट से हटने वाले सीनियर खिलाड़ियों से दोबारा सोचने के लिए कहा जा सकता है। इस बात का कोई संकेत नहीं है कि विराट कोहली से संपर्क किया गया है, लेकिन यह विचार फैलने लगा है। किसी भी औपचारिक कदम की कोई निश्चितता नहीं है, हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि हाल ही में रिटायर हुए कम से कम एक खिलाड़ी दोबारा सोचने के लिए तैयार हो सकता है।

कई फ्रेंचाइजी स्काउट्स भी सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी वेन्यू पर पहुंच गए हैं, जिसमें जॉन राइट - भारत के पूर्व कोच और लंबे समय से मुंबई इंडियंस के स्काउट, अहमदाबाद के प्रमुख नामों में से हैं। वरुण एरॉन, पार्थिव पटेल, किरण मोरे और विजय भारद्वाज भी मौजूद हैं। राइट, जो सालों से मुंबई इंडियंस के लिए स्काउट रहे हैं और जिन्हें जसप्रीत बुमराह को खोजने का श्रेय दिया जाता है, 16 दिसंबर को आईपीएल ऑक्शन से पहले एक्शन पर नजर रख रहे हैं। अहमदाबाद ने दूसरे सेंटर्स की तुलना में ज़्यादा ध्यान खींचा है, जहां झारखंड, तमिलनाडु, कर्नाटक, सौराष्ट्र, उत्तराखंड, दिल्ली और त्रिपुरा की टीमें अभी नरेंद्र मोदी स्टेडियम के मैदान में खेल रही हैं।

भारत अंडर-19 और अफगानिस्तान अंडर-19 के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल रद्द

बेंगलुरु । भारत अंडर-19 और अफगानिस्तान अंडर-19 के बीच एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल मैच खराब मौसम की वजह से रविवार को यहां रद्द हो गया। भारत अंडर-19 टीम 19 ओवर में पांच विकेट पर 79 रन बनाकर जूझ रही थी जब बारिश और खराब रोशनी की वजह से खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया। तेज गेंदबाज अब्दुल अजीज ने कप्तान विहान मल्होत्रा ??और वंश आचार्य के विकेट लेकर अफगानिस्तान को शुरुआती सफलताएं दिलाईं जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर 24 रन हो गया। निष्क चौहान (नाबाद 28) और अभिज्ञान कुंडू (27) ने पांचवें विकेट के लिए 51 रन जोड़कर विकेटों के पतझड़ पर विराम लगाया लेकिन इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और अंतत- मैच रद्द हो गया।

हरमनप्रीत और युवराज सिंह के नाम के स्टैंड बनाएगी पीसीए

चंडीगढ़ । अब पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम के स्टैंड मोहाली में मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में बनेंगे। ये घोषणा पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने की है। इसके अलावा, हरमनप्रीत के साथ ही अमनजोर कौर को इनामी राशि भी दी जाएगी। पीसीए के कार्यवाहक सचिव सिद्धार्थ शर्मा ने कहा, इन खिलाड़ियों को विश्वकप जीतने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। साथ ही कहा कि हमने उनके नाम पर एक स्टैंड की घोषणा की है। 11 दिसंबर को भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच में युवराज और हरमनप्रीत के नाम के स्टैंड का उद्घाटन होगा। यह स्टैंड न्यू मुल्लापुर में नए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बनेगा। यह उनकी उपलब्धि के लिए हमारी ओर से एक छोटी सी भेंट है। सिद्धार्थ के अनुसार इन महिला खिलाड़ियों को देखकर ही युवा लड़कियां भी इस खेल से जुड़ेंगी। उन्होंने कहा, महिला क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिगेज जैसी खिलाड़ियों को देखकर ही युवा सामने आएंगी। साथ ही कहा कि जब युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी, तभी महिला क्रिकेट आगे बढ़ेगा। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने महिला विश्व कप 2025 के फाइनल मैच में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर खिताब जीता था। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 45.3 ओवरों में महज 246 रन ही बना पायी। वहीं युवराज सिंह ने भारत को टी20 विश्व कप 2007 और एकदिवसीय विश्व कप 2011 का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप : भारत की ओमान पर 17-0 से शानदार जीत, क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के करीब

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने चेन्नई के एग्मोर में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में अपने दूसरे पूल बी मैच में ओमान को 17-0 से हराकर पुरुषों के हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में अपनी लगातार दूसरी जीत हासिल की। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने शुक्रवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में चिली को 7-0 से हराया था। अर्शदीप सिंह (4', 33', 40'), मनमीत सिंह (17', 26', 36') और दिलराज सिंह (29', 32', 58') ने हैट्रिक बनाई, जबकि अजीत यादवल (34', 47'), गुरजोत सिंह (39', 45') और लुवांग थोनाओजम इंगालेम्बा (43', 50') ने दो-दो गोल किए।अ नमोल एक्का (29') और शारदा नंद तिवारी (55') ने मैच के बाकी दो गोल किए।

अर्शदीप ने चौथे मिनट में गोल किया, लेकिन यह पहले क्वार्टर का एकमात्र गोल साबित हुआ, क्योंकि ओमान ने अपनी

किस्मत और आखिरी समय में कुछ अच्छे डिफेंस के दम पर स्कोर 1-0 पर बनाए रखा। लेकिन, दूसरे पीरियड में मनमीत सिंह के दो गोल से भारत ने बढ़त बना ली, जिसके बाद दिलराज सिंह और अनमोल एक्का ने हाफ-टाइम तक भारत को 5-0 से आगे कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में जोरदार वापसी की, जिसमें मेज़बान टीम ने मेहमान टीम पर आठ गोल किए, जिसमें मनमीत और अर्शदीप ने अपनी-अपनी हैट्रिक पूरी कीं।

भारत ने आखिरी क्वार्टर में भी चार और गोल करके अच्छा प्रदर्शन किया, जब दिलराज सिंह ने 58वें मिनट में अपने हैट्रिक गोल से शानदार स्कोरलाइन को खत्म किया। भारत के पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए, जबकि शारदा नंद तिवारी ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया। बाकी 11 गोल ओपन प्ले से आए।

इस जीत की वजह से, भारत अभी चल रहे जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के ग्रुप बी में बेहतर गोल डिफरेंस के आधार पर टॉप पर है। इस नतीजे का यह भी मतलब है कि अगर भारत मंगलवार को अपने आखिरी ग्रुप बी मैच में स्विट्जरलैंड से हार से बचता है, तो वह पूल विनर के तौर पर सीधे मेन्स हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच जाएगा। अगर भारत स्विट्जरलैंड से हार जाता है जिसने भी दो मैचों में दो जीत हासिल की हैं, तो उसे क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए छह रनर-अप टीमों में टॉप दो टीमों में शामिल होना होगा।

MLS CUP: मेस्सी की इंटर मियामी टीम ने न्यूयॉर्क सिटी FC को 5-1 से हराकर फाइनल में एंट्री की

फोर्ट लाउडरडेल। लियोनेल मेस्सी की टीम इंटर मियामी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूयॉर्क सिटी स्नष्ट को 5-1 से हराकर ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस खिताब जीत लिया और इसके साथ ही एमएलएस कप फाइनल में जगह पक्की कर ली। इस जीत के बाद मेस्सी का एक और बड़े खिताब के लिए खेलना लगभग तय हो गया है। इंटर मियामी की जीत के हीरो रहे मेस्सी के अर्जेंटीनी साथी तादेओ अलेंदे, जिन्होंने बेहतरीन हैट्रिक जमाई। वहीं, जॉर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स ने भी एक-एक गोल दागा। मेस्सी के लिए यह मैच व्यक्तिगत रूप से खास नहीं रहा, लेकिन उन्होंने शुरुआती दो गोल में महत्वपूर्ण असिस्ट दिए। यह क्लब और देश के लिए मिलाकर मेस्सी के करियर का 405वां असिस्ट था, जो फुटबॉल इतिहास में सर्वाधिक माने जाते हैं। इंटर मियामी अब एमएलएस कप फाइनल में वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस के विजेता—सैन डिएगो या वैंकूवर की मेजबानी आगामी शनिवार को करेगी।

इमोशनल कोच होना हमेशा फायदेमंद नहीं, गौतम गंभीर पर डिविलियर्स का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 की शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम और मुख्य कोच गौतम गंभीर लगातार आलोचना के केंद्र में हैं। सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट विश्लेषकों तक, गंभीर पर भारत के टेस्ट क्रिकेट को गलत दिशा में ले जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन पर लगातार प्रयोग करने, बैटिंग ऑर्डर में अनिश्चित बदलाव, स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों को नज़रअंदाज़ करने और ऑलराउंडरों को लेकर अतिशय लगाव दिखाने की बातें तेजी से सामने आ रही हैं। हालांकि गंभीर साफ कह चुके हैं कि टीम ट्रांजिशन के दौर में है और बदलाव का ये ही सही समय होता है, चाहे उसे लेकर कितनी भी आलोचना क्यों न झेलनी पड़े। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण टिप्पणी की है।

रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल से बातचीत में डिविलियर्स ने कहा कि टीम का कोच बहुत ज्यादा इमोशनल हो, तो यह हमेशा सकारात्मक साबित नहीं होता। उन्होंने कहा, 'मैं गौतम गंभीर को एक बेहद भावुक खिलाड़ी के रूप में जानता आया हूं। अगर ड्रेसिंग रूम में भी वही भावुकता हावी रहती है, तो आमतौर पर इमोशनल कोच का होना अच्छी बात नहीं माना जाता।'

डिविलियर्स और गंभीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साथ लंबा वक्त बिताया है और कई बार एक-दूसरे के खिलाफ बड़े मुकाबले खेले हैं। आईपीएल में भी दोनों कई साल प्रतिद्वंद्वी रहे। इन्हीं अनुभवों की वजह से डिविलियर्स गंभीर की कोचिंग स्टाइल को समझने की कोशिश करते दिखाई दिए। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भावुक खिलाड़ी होना जरूरी नहीं कि वही शख्स भावुक कोच भी हो। डिविलियर्स ने कहा, 'हर खिलाड़ी की जरूरत अलग होती है। कुछ लोग ऐसे कोच के साथ ज्यादा सहज महसूस करते हैं जो खुद महान खिलाड़ी रहा हो, जबकि कुछ ऐसे कोच के साथ बेहतर खेलते हैं जिनके पास वर्षों का कोचिंग अनुभव हो, भले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न खेला हो।' उन्होंने बताया कि उन्हें गैरी कर्स्टन जैसे शांत और संतुलित कोच के तहत खेलना बेहद पसंद था, और यह उनके प्रदर्शन के लिए फायदेमंद साबित हुआ। भारत में टेस्ट सीरीज की हार के बाद अगले साल गंभीर के लिए बड़ा इम्तिहान होगा और टीम के प्रदर्शन से ही तय होगा कि उनका प्रयोगात्मक दृष्टिकोण सही दिशा में है या नहीं। आलोचनाओं के बावजूद डिविलियर्स ने संकेत दिया कि नए बदलावों को समय दिया जाना चाहिए, क्योंकि हर टीम कभी न कभी बदलाव के दौर से गुजरती है।

डब्ल्यूबीबीएल 2025 : पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंची मेलबर्न स्टार्स

मेलबर्न । विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के 28वें मुकाबले में शनिवार को मेलबर्न स्टार्स ने जंक्शन ओवल में खेले गए मैच में मेलबर्न रेनेगेड्स पर 45 रन की शानदार जीत दर्ज की। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ मेलबर्न स्टार्स ने प्वाइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल कर लिया है। स्टार्स ने अब तक खेले गए 7 मुकाबलों में से 5 में जीत दर्ज की है, जबकि एक मैच में हार का सामना करना पड़ा और एक मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। दूसरी ओर मेलबर्न रेनेगेड्स ने अब तक 8 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम ने 4 में जीत हासिल की है और 4 में उसे हार झेलनी पड़ी है। अंक तालिका में रेनेगेड्स वर्तमान में तीसरे स्थान पर है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेलबर्न स्टार्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने महज 14 रन पर रिस मैककेना का विकेट गंवा दिया, जो सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुईं। शुरुआती झटके के बाद मेग लैनिंग और एमी जोन्स ने मिलकर टीम को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 51 गेंदों में 62 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। एमी जोन्स ने 33 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 43 रन की उपयोगी पारी खेली। इसके बाद कप्तान एनाबेल सदरलैंड ने लैनिंग का साथ देते हुए तीसरे विकेट के लिए 43 गेंदों में 70 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सदरलैंड ने 16 गेंदों में 27 रन का योगदान दिया, जबकि मेग लैनिंग अंत तक नाबाद रहीं और 58 गेंदों में 1 छक्का और 7 चौकों की मदद से शानदार 73 रन बनाए। निर्धारित 20 ओवर में मेलबर्न स्टार्स ने 5 विकेट पर 160 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। रेनेगेड्स की ओर से मिली इलिंगवर्थ ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए, जबकि जॉर्जिया वेयरहैम ने 2 विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेलबर्न रेनेगेड्स की टीम कभी भी लय में दिखाई नहीं दी और 16.3 ओवरों में 115 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए डिएंड्रा डॉटिन और निकोल फाल्टम ने सर्वाधिक 23-23 रन बनाए, जबकि इसी वोंग ने 20 रन का योगदान दिया। मेलबर्न स्टार्स के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें मैसी गिब्सन ने 3 विकेट चटकाए और किम गार्थ ने 2 सफलताएं हासिल कीं।

रसेल अब आईपीएल में नहीं खेलेंगे, सहयोगी स्टाफ के तौर पर उतरेंगे

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अब आईपीएल में खेलते हुए नहीं दिखेंगे। इसका कारण है कि रसेल ने आईपीएल से संन्यास ले लिय है।

रसेल के इस फैसल से उनकी टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के प्रशंसक हैरान हैं। रसेल अचानक ही संन्यास ले लेंगे। इसका अंदेशा उन्हें नहीं था। वह अभी विश्वभर की टी20 लीग्स में अपने प्रदर्शन से छाये हुए हैं। इस कारण आईपीएल में भी उनकी अच्छी मांग हैं। रसेल ने यह फैसला केकेआर द्वारा उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही रिलीज करने के बाद लिया। रसेल ने आईपीएल को अलविदा कह दिया है पर कहा है कि वह सहयोगी स्टाफ के तौर पर उतरेंगे।

रसेल ने कहा कि वह केकेआर के साथ बने रहेंगे। वह आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के सहयोगी स्टाफ के रूप में टीम के साथ बने रहेंगे।

रसेल ने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'ढ्ढक्क्रसे संन्यास ले रहा हूं। साथ ही कहा कि इसमें शानदार सफर रहा है। सीज़न की यादें, और केकेआर परिवार से काफी प्यार मिला। मैं दुनिया भर की हर दूसरी लीग में छक्के मारता रहूंगा और विकेट लेता रहूंगा। और सबसे अच्छी बात? मैं घर नहीं छोड़ रहा हूं। इस बार मैं नई भूमिका में नजर आउंगा।।'

रसेल ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत केकेआर नहीं बल्कि दिल्ली कैपिटल्स के साथ 2012 में की थी। दो सत्र दिल्ली से खेलने के बाद वह 2014 में केकेआर के साथ जुड़े और अपने पहले ही सीजन में उन्होंने टीम को विजेता बनाया। साल 2014 के बाद 2025 तक वह लगातार 12 साल कोलकाता की टीम का हिस्सा रहे। रसेल ने आईपीएल में कुल 140 मैच खेले जिसमें उन्होंने 2651 रन बनाने के साथ-साथ 123 विकेट लिए। ऐसे में एक खिलाड़ी के तौर पर लीग में उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है।

हिंदी दैनिक
सब का सपना

मनोरंजन

अमरोहा
सोमवार 01 दिसंबर 2025
www.sabkasapna.com

‘लोग क्या कहेंगे’ की कहानी में भावनाओं और यादों का चित्रण: गिरिजा ओक

अभिनेता पंकज त्रिपाठी और मोहित छाबड़ा एक नई वेब सीरीज ‘परफेक्ट फैमिली’ के साथ आ रहे हैं। इस सीरीज में अभिनेत्री गिरिजा ओक अहम भूमिका निभा रही हैं, और हाल ही में जारी प्रोमो में वह नीति करकारिया के रूप में नजर आईं। वेबसीरीज के इस प्रोमो से स्पष्ट है कि यह कहानी केवल पारिवारिक ड्रामा नहीं है, बल्कि उन भावनाओं और यादों का चित्रण है, जिन्हें हम बड़े होने पर समझ पाते हैं। मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गुलशन देवैया और नेहा धूपिया जैसे अनुभवी कलाकार इसमें शामिल हैं, जिससे कहानी और भी मजबूत बनती है। गिरिजा ओक ने अपने किरदार और शो के विषय पर बात करते हुए कहा कि बचपन का ट्रॉमा अपने भीतर गहरे असर छोड़ता है। बच्चे को उस समय यह अहसास भी नहीं होता कि वह किसी भारी भावनात्मक बोझ से गुजर रहा है, वह केवल परिस्थितियों से तालमेल बैठाने की कोशिश कर रहा होता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता हमेशा अपने बच्चों के लिए अच्छा ही चाहते हैं, लेकिन कई बार ‘लोग क्या कहेंगे’ वाली सोच उन्हें सही निर्णय लेने से रोक देती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर माता-पिता समाज के दबाव से ऊपर उठकर सोचें तो वे बेहतर समझ पाएंगे कि उनके बच्चे के लिए वास्तव में क्या जरूरी है। बच्चों की भावनाओं को समझना और उनके लिए सही फैसले लेना बड़ों की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। गिरिजा का मानना है कि आज के समय में माता-पिता पहले की तुलना में अधिक जागरूक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हो गए हैं। इसी कारण भविष्य में कम लोगों को बचपन के परेशान करने वाले अनुभवों के लिए थेरेपी की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने बताया कि इस सीरीज की स्क्रिप्ट ने उन्हें पहली ही पढ़त में अपनी ओर खींच लिया। उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो वे किसी रोचक कहानी की किताब पढ़ रही हों और हर एपिसोड पिछले से गहरी भावनाओं को छूता हो। सीरीज की शूटिंग के अनुभव को साझा करते हुए गिरिजा ने बताया कि जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ी, क्रू भी एक परिवार जैसा हो गया। सेट पर मौजूद दोस्ताना माहौल, मजाक और सहज बातचीत ने पूरी प्रक्रिया को आनंदमय बना दिया। इस वजह से भावनात्मक दृश्यों को निभाना भी आसान हो गया।

10 साल बाद ‘भाभी जी घर पर हैं’ से अलग हो रही हैं शुभांगी अत्रे

टीवी शो ‘भाभी जी घर पर हैं’ में अंगूरी भाभी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने आखिरकार शो छोड़ने की खबर की पुष्टि कर दी है। उन्हें शो की पुरानी अंगूरी भाभी यानी शिल्पा शिंदे रिप्लेस करने वाली हैं। एक्ट्रेस ने स्वयं बताया है कि 10 साल बाद वह शो से अलग हो रही हैं और इसे वह एक सकारात्मक मोड़ की तरह देख रही हैं। उनके अनुसार यह बदलाव उनके पेशेवर जीवन में नए अवसरों का मार्ग खोलेगा। शुभांगी ने कहा कि उन्होंने हमेशा शो की निर्माता मिसेस कोहली से वादा किया था कि वह शो की यात्रा को सम्मान और गरिमा के साथ शुरू और समाप्त करेंगी, और यह एग्जिट उनके लिए बिल्कुल वैसा ही है जैसा वह चाहती थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिप्लेसमेंट के पीछे कोई नकारात्मक वजह नहीं है, बल्कि वह एक कलाकार के रूप में नए किरदारों को एक्सप्लोर करना चाहती हैं। जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखने के बाद अब वह फाइटर मोड में हैं और फिलहाल अपनी बेटी और करियर पर फोकस कर रही हैं। लगभग एक दशक तक शो का हिस्सा रहने के बाद इसे छोड़ना शुभांगी के लिए भावुक अनुभव रहा। वह कहती हैं कि शो से विदा लेना ऐसा है जैसे कोई अपना घर छोड़ रहा हो। अंगूरी भाभी का किरदार उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन चुका था और इस शो ने उन्हें पहचान, सफलता और दर्शकों का अपार प्यार दिया है। उन्होंने इस बात को भी स्वीकार किया कि किसी और के स्थापित किए किरदार को आगे निभाना आसान नहीं होता, क्योंकि उस किरदार को दर्शकों से जोड़ना एक बड़ी चुनौती होती है। फिर भी, उन्हें खुशी है कि दर्शकों ने उन्हें उतना ही प्यार दिया जितना पहले मिला था। शुभांगी ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा कि जब शिल्पा शिंदे ने यह रोल छोड़ा था, तब वह इसे एक नवजात शिशु की तरह उनके हाथों में देकर गई थीं।

नया फिटनेस चैलेंज देकर लोगों को चौंकाया भाग्यश्री ने

56 साल की उम्र में भी अभिनेत्री भाग्यश्री का ग्लो और एनर्जी किसी युवा अभिनेत्री से कम नहीं है। भाग्यश्री सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और फैंस को समय-समय पर फिट रहने के लिए प्रेरित करती रहती हैं। फिल्म ‘मैंने प्यार किया’ से अपनी मासूम अदाओं और सादगी भरे अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली अभिनेत्री भाग्यश्री आज भी अपनी खूबसूरती और फिटनेस के लिए चर्चा में रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने हाल ही में एक नया फिटनेस चैलेंज देकर लोगों को चौंका दिया है। भाग्यश्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह जिम में ड्रिल एक्सरसाइज करती हुई नजर आती हैं। वीडियो में वह अपने फॉलोवर्स को चैलेंज देती हैं और कहती हैं ‘चलिए देखते हैं कि आप कितने फुर्तीले हैं।’ वीडियो में भाग्यश्री दो अलग-अलग ड्रिल एक्सरसाइज करती हैं, जिसमें उन्हें कुल 7 सेकंड का समय लगता है। उनकी तेज गति और बेहतरीन कॉन्सन्ट्रेशन देखकर फैंस दंग रह गए और कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों की बौछार कर दी। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा ‘इसकी प्रैक्टिस से चपलता, गतिशीलता और ध्यान का परीक्षण किया जाएगा। मुझे हर एक्सरसाइज को करने में 7 सेकंड लगे। इसे आजमाएं और बताएं कि आपको कितना समय लगा। इसे रोजाना करें और अपनी गति बेहतर करने के लिए खुद से प्रतिस्पर्धा करें।’ भाग्यश्री का यह फिटनेस चैलेंज तेजी से वायरल हो रहा है और कई यूज़र्स इसे आज़माने की बात कह रहे हैं। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि 56 की उम्र में भी उनकी फुर्ती और फिटनेस युवा खिलाड़ियों जैसी है। इससे यह भी साबित होता है कि नियमित अभ्यास और अनुशासन से किसी भी उम्र में फिट रहा जा सकता है। ड्रिल एक्सरसाइज को स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग माना जाता है, जो शरीर की फुर्ती, संतुलन, गति और समन्वय क्षमता को बढ़ाती है। एक्सरसाइज खिलाड़ियों और धावकों के लिए खासतौर पर लाभकारी मानी जाती है, लेकिन अब आम लोग भी इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर रहे हैं। यह न केवल शरीर को लचीला बनाती है, बल्कि दिल और दिमाग की सेहत भी बेहतर करती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि प्रतिदिन 15 मिनट ड्रिल एक्सरसाइज की जाए तो यह शरीर में हार्मोनल बैलेंस बनाने, तनाव कम करने, मूड हल्का करने और दिल की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती है।

सिंदूर और मंगलसूत्र वाले लुक ने फैंस का दिल जीता रानी ने

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी एक बार फिर चर्चा में हैं। अपने दमदार अभिनय और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली रानी सोशल मीडिया पर भी बेहद सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपने फैंस को अपनी निजी और प्रोफेशनल लाइफ की झलक दिखाती रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई फिल्म ‘यूपी वाली और बिहार वाली’ के सेट से कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिन्हें देखकर फैंस बेहद खुश और उत्साहित हो गए। पोस्ट की गई तस्वीरों में रानी चटर्जी नारंगी रंग की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने हल्का मेकअप किया हुआ है, मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र पहना हुआ है, जो उनके लुक को पूरी तरह ट्रेडिशनल और आकर्षक बना रहा है। रानी का यह अवतार देखकर फैंस उनकी खूबसूरती और सरलता की खूब तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ भोजपुरी गाना ‘कहे नाहीं कहलू पहिले’ भी जोड़ा है, जो तस्वीरों के भाव को और खास बनाता है। तस्वीरें शेयर करते हुए रानी ने एक भावुक कैप्शन लिखा ‘दिल बड़ा तो तू बड़ा’, जिसने फैंस के बीच उत्सुक्ता और बढ़ा दी। सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होने के बाद कई फैंस ने कमेंट कर रानी की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, ‘बहुत प्यारी लग रही हैं आप, अब आप भी शादी कर लीजिए और अपने पति के लिए व्रत रखिए।’ वहीं, एक अन्य ने कहा, ‘मंगलसूत्र और सिंदूर में आप बहुत सुन्दर लग रही हैं।’ कुछ लोगों ने मज़ाक में यह भी पूछा कि कहीं रानी ने सच में शादी तो नहीं कर ली!

रानी चटर्जी ने भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी मेहनत और अभिनय कौशल से एक खास जगह बनाई है। यह अभिनेत्री फिल्मी दुनिया में लंबा और मजबूत सफर तय कर चुकी हैं और उनकी फैन फॉलोइंग लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में उनकी कई फिल्में रिलीज हुई हैं, और कुछ जल्द ही बड़े पर्दे पर आने वाली हैं। वर्तमान में रानी ने अपनी नई फिल्म ‘यूपी वाली और बिहार वाली’ की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद पोस्ट के जरिए दी। मंजुल ठाकुर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रानी के अलावा संजना, प्रशांत सिंह, आलोक सिंह राजपूत, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, स्वेता वर्मा और गोपाल चौहान जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इसके साथ ही रानी की ‘जानम’ और ‘बैरी बहुरिया’ भी हाल ही में रिलीज हो चुकी हैं। रानी चटर्जी की नई तस्वीरों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनकी लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, और फैंस उनसे जुड़े हर अपडेट का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

टाइगर के साथ दिशा की केमिस्ट्री को फैंस ने किया बेहद पसंद

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की लव लाइफ सालों से लोगों की दिलचस्पी का बड़ा विषय रही है। दिशा का नाम सबसे ज्यादा टाइगर श्रॉफ के साथ जोड़ा गया। टाइगर के साथ उनकी केमिस्ट्री को फैंस ने बेहद पसंद किया। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि दिशा का नाम दो और स्टार्स के साथ भी जुड़ चुका है, जिनके साथ उनके रिश्ते ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ का रिश्ता लंबे समय तक लाइमलाइट में रहा। दोनों को अक्सर साथ देखा जाता था जिम से लेकर लंच डेट्स और विदेश यात्राओं तक की उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती थीं। दिशा का टाइगर की मां आयशा श्रॉफ और बहन कृष्णा श्रॉफ के साथ भी घनिष्ठ रिश्ता था। हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया, लेकिन करीब छह साल तक एक-दूसरे के साथ रहने के बाद 2022 में दोनों ने अलग होने का फैसला किया। ब्रेकअप के बाद दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रहे हैं और अब दोनों के बीच कोई खास संपर्क नहीं है। टाइगर श्रॉफ से पहले भी दिशा पाटनी का नाम टीवी जगत के पॉपुलर एक्टर पार्थ समथान के साथ जुड़ा था। दोनों अपने करियर के शुरुआती चरण में एक-दूसरे के करीब आए और उनकी कई कोजी तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी थी। हालांकि कुछ समय बाद यह रिश्ता अचानक खत्म हो गया। उस वक्त खबरें थीं कि पार्थ और विकास गुप्ता के बीच कथित विवाद के चलते दिशा और पार्थ के रिश्ते में दरार पड़ी, हालांकि इस पर किसी ने खुलकर कुछ नहीं कहा। बीते कुछ समय से दिशा का नाम विदेशी मॉडल और फिटनेस ट्रेनर अलेक्जेंडर एलेक्स इलिक के साथ भी जोड़ा गया।

दोनों को अक्सर जिम, कैफे, इवेंट्स और पार्टियों में साथ देखा जाता था। सोशल मीडिया पर उनकी कई तस्वीरें और वीडियोज वायरल हुए, जिससे उनके रिश्ते की चर्चाएं तेज हुईं। यहां तक कि अलेक्जेंडर के हाथ पर बने एक टैटू को देखकर फैंस ने कहा कि इसमें दिशा का चेहरा नजर आता है। हालांकि रिपोर्ट्स के अनुसार यह रिश्ता भी अब समाप्त हो चुका है और दोनों अपने-अपने करियर पर फोकस कर रहे हैं। दिशा पाटनी की लव लाइफ भले ही उतार-चढ़ाव से भरी रही हो, मगर उनकी प्रोफेशनल लाइफ लगातार आगे बढ़ रही है।

रानी चटर्जी के पुराने वीडियो पर आई लाइक्स की बाढ

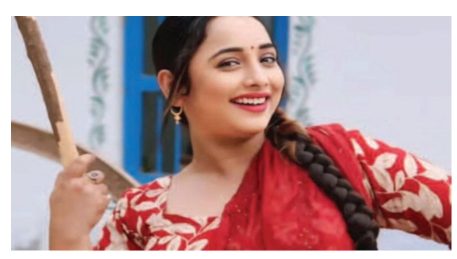

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने एक खास वीडियो पोस्ट करके पुराने दिनों की यादें ताज़ा कर दीं। वीडियो में रानी एक गाड़ी में बैठी दिख रही हैं और 1988 की रोमांटिक फिल्म ‘कयामत से कयामत तक’ के सुपरहिट गाने ‘ऐ मेरे हमसफर’ पर शानदार एक्सप्रेशन देते हुए नजर आ रही हैं। उनका यह वीडियो पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिस पर प्रशंसकों के लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कई यूज़र्स ने उनके अंदाज की तारीफ करते हुए लिखा कि रानी ने इस गाने में नई जान डाल दी है। वीडियो के कैप्शन में रानी ने लिखा ‘90 दशक के चाहने वालों, जरा ध्यान दें। फिर, प्यार में पड़ने के लिए तैयार हो जाइए।’ उनकी इस बात ने लोगों में पुरानी यादें ताजा कर दीं और कमेंट बॉक्स में फैंस ने ढेरों प्रतिक्रियाएं दीं। कोई उनके एक्सप्रेशन की तारीफ करता दिखा तो कोई इस रोमांटिक गाने को अपना पसंदीदा बता रहा था। रानी चटर्जी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म ‘यूपी वाली और बिहार वाली’ में नजर आने वाली हैं, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है।

श्रद्धा कपूर के करियर में नए अध्याय की शुरुआत

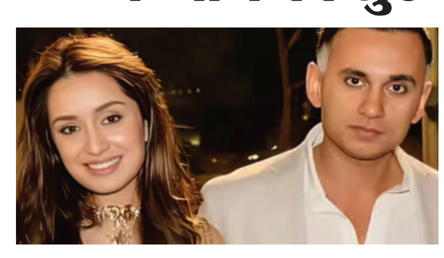

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर राइटर-डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ बॉन्डिंग खूब चर्चा में रहती है। फैंस को एक्ट्रेस ने हाल ही एक और खुशखबरी दी है। श्रद्धा कपूर ने बताया कि वह राहुल मोदी की अगली फिल्म का हिस्सा हैं और इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। श्रद्धा के मुताबिक, फिल्म का आधिकारिक एलान बहुत जल्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब वह अपने किरदारों और फिल्मों की स्क्रिप्ट को चुनने में अधिक सोच-समझकर कदम उठा रही हैं, ताकि हर प्रोजेक्ट उनके करियर में नया मूल्य जोड़ सके। श्रद्धा ने खुलासा किया कि राहुल मोदी की यह फिल्म स्टार्टअप कल्चर और आधुनिक युवाओं की तेज रफ्तार वाली ‘असल लाइफस्टाइल’ को दर्शाएगी।

संघर्ष के दिनों में रोजमर्रा का खर्च चलाना मुश्किल था अर्जुन रामपाल के लिए

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल की पर्सनैलिटी और मॉडल जैसा लुक देखकर कोई भी मान लेगा कि उनका सफर बेहद सुखद रहा होगा। अर्जुन के करियर की शुरुआत ऐसी चुनौतियों से भरी थी कि रोजमर्रा का खर्च चलाना तक मुश्किल बन गया था। एक्टर अर्जुन रामपाल का जन्म मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुआ। उनका परिवार मिलिट्री पृष्ठभूमि से जुड़ा था और उनके नाना ब्रिगेडियर गुरदयाल सिंह भारतीय सेना के लिए पहली आर्टिलरी गन डिज़ाइन करने वाली टीम का हिस्सा थे। बचपन में ही माता-पिता के तलाक के बाद उनकी परवरिश अकेले उनकी मां ने की, जो पेशे से स्कूल टीचर थीं। प्रारंभिक पढ़ाई महाराष्ट्र में पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज में दाखिला लिया और अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन किया। करियर का मोड़ तब आया जब एक पार्टी में उनकी मुलाकात मशहूर फैशन डिजाइनर रोहित बल से हुई, जिन्होंने उन्हें मॉडलिंग का मौका दिया।

कुछ ही समय में अर्जुन भारत के टॉप मॉडल्स की सूची में शामिल हो गए और 1994 में उन्हें ‘सोसाइटी फेस ऑफ द ईयर’ पुरस्कार भी मिला। परंतु बाहरी चमक के पीछे संघर्ष चल रहा था। अर्जुन ने खुद स्वीकार किया कि मॉडलिंग के दौरान कमाई अनियमित थी और अक्सर स्थिति ऐसी बन जाती कि खाने तक के पैसे नहीं होते थे। फिल्मों में करियर बनाने की कोशिशों ने मुश्किलें और बढ़ा दीं। इसी बीच उन्हें पहली फिल्म ‘मोक्ष’ में काम का मौका मिला, लेकिन फिल्म बनने में पांच साल लग गए। इस दौरान उन्होंने मॉडलिंग छोड़ दी थी और कोई निश्चित काम भी नहीं था। 2001 में रिलीज हुई ‘प्यार इश्क और मोहब्बत’ से उन्हें पहचान मिली। फिल्म भले बॉक्स ऑफिस पर कमजोर रही, लेकिन अर्जुन की एक्टिंग की खूब तारीफ हुई और उन्हें आईफा का ‘फेस ऑफ द ईयर’ अवॉर्ड मिला।

शुरुआती फिल्मों ‘दीवानापन,’ ‘दिल का रिश्ता,’ और ‘वादा’ से अर्जुन की छवि एक रोमांटिक हीरो की बनी, हालांकि ये फिल्में बड़ी हिट नहीं रहीं। असली मोड़ 2006 में ‘डॉन’ और फिर ‘ओम शांति ओम’ में मिला, जहां उन्होंने विलेन का किरदार निभाकर दर्शकों को चौंका दिया। 2008 की फिल्म ‘रॉक ऑन’ ने उन्हें नई पहचान दी। इस भूमिका के लिए उन्होंने महीनों तक गिटार बजाना सीखा और इस फिल्म ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार और फिल्मफेयर में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का सम्मान दिलाया। अर्जुन ने आगे चलकर अपनी प्रोडक्शन कंपनी ‘चेजिंग गणेशा फिल्म्स’ बनाई और ‘आई सी यू’ तथा ‘डैडी’ जैसी फिल्मों का निर्माण किया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा छत्तीसा पब्लिकेशन्स एफ 28, सेक्टर 6, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व ग्राम मुबारकपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0 8456883 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।